अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–236 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ सोमवार 25 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में बलिया सपा जिलाध्यक्ष की हादसे में मौत, अखिलेश यादव मोर्चरी पहुंचे

लखनऊ। बलिया के समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव की लखनऊ में सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वे स्कूटी से पार्क टहलने के लिए निकले थे। इसकी खबर जैसे ही जनपद पहुंची यहां शोक की लहर दौड़ पड़ी। अखिलेश यादव लखनऊ में मोर्चरी पहुंचे। राजमंगल यादव के निधन पर शोक जताया।बलिया में सपा जिलाध्यक्ष के घर पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया है। एकबारगी तो इस घटना पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा है। वहीं अखिलेश यादव ने बलिया के सपा जिलाध्यक्ष के निधन पर दुख जताया है। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि समाजवादी पार्टी बलिया के जिला अध्यक्ष श्री राजमंगल यादव जी का असमय निधन, अत्यंत दुखद! ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करे। बलिया के फेफना विधानसभा के बिसुकिया निवासी राजमंगल यादव का शहर से सटे पहाड़ीपुर स्थित सावित्री नगर में आवास है। वर्तमान में वह लखनऊ में थे। बताया जा रहा है कि लखनऊ में सपा जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव रविवार सुबह स्कूटी से अपने सहयोगी राजेंद्र पांडेय के साथ टहलने के लिए लोहिया पार्क गए थे। वहां से लौटते समय किसी तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजमंगल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राजेंद्र पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद राजमंगल और राजेंद्र को अस्पताल लाया गया। जहां सपा जिलाध्यक्ष को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं राजेंद्र पांडेय की हालत गंभीर है। उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया है। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला ट्रक ड्राइवर का शव

उरई/जालौन, (यूएनएस)। नगर के मोहल्ला आलमपुर निवासी 38 वर्षीय रज्जन ट्रक चलाता है। उसके चाचा बाबू यादव ने बताया कि रज्जन 10 दिन से काम नहीं होने की वजह से घर पर ही रह रहा था। शनिवार की रात वह घर से बिना बताए चला गया। सुबह करीब साढ़े सात बजे सूचना मिली कि करीब एक किलोमीटर दूर रेलवे पटरी पर एक शव पड़ा मिला है। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने रज्जन के रूप में शव की शिनाख्त की। बताया कि रज्जन का पांच साल का एक लड़का है। उसकी पत्नी रूबी का रो–रोकर बुरा हाल है। उधर, कोतवाली में निरीक्षक मोहम्मद अशरफ ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। अभी तहरीर नहीं मिली है।

उत्सव गेस्ट हाउस में मनाया जाएगा क्रिसमस पर्व

लखनऊ। बेतहसदा फैलोशिप ट्रस्ट ऑफ इंडिया (दया का घर) के द्वारा उत्सव गेस्ट हाउस बरगवाँ निकट पिकैडली होटल कानपुर रोड मे सुबह 10 बजे से बड़ी धूमधाम क्रिशमस पर्व मनाया जाएगा।

बोले सीएम योगी: नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में सब चंगा, अब कांवड़ यात्रा के साथ राम मंदिर का भी हो रहा निर्माण

आजादी के बाद 70 सालों तक लोग क्या कर रहे थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ साल में चार करोड़ गरीबों को मकान दे दिए। कोरोना काल में नरेंद्र मोदी योजना बनाते थे प्रदेश सरकार प्रभावी ढंग से लागू करती थी। कोरोना काल में फ्री में वैक्सीन और इलाज मिला है

लखनऊ। जीरो टोरलेंस के साथ सरकार अपराधियों से सख्ती से निपटने का काम कर रही है। सख्ती की वजह से सुरक्षा का वातावरण बना। पहले हर दूसरे दिन राज्य में बड़े दंगे होते थे, महीनों महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। अब उत्तर प्रदेश के बारे में लोग कहने के लिए मजबूर हैं, नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा। यह बात सीएम योगी आदित्यनाथ ने कही।

शनिवार को नजीबाबाद की ग्राम पंचायत जालबपुर गुदड़ में भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधन की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए की। कहा कि महात्मा विदुर की इस पावन धरा को नमन करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा में आप सब का स्वागत करता हूं। बोले कि बिजनौर

लखनऊ से जितनी दूर लगता है, मैं बिजनौर आने में नजदीक महसूस करता हूं। इसी का परिणाम है, बिजनौर तेजी से विकास की मुख्य धारा के साथ जुड़ते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश का आदर्श जनपद बनने की ओर अग्रसर है। जब विकास होता है, तो उसका लाभ सबको प्राप्त होता है, नागरिकों के जीवन में परिवर्तन आता है। लेकिन विकास की पहली शर्त होती है सुरक्षा। हमारी संवेदना की संवेदना गरीब, नौजवान, किसान, बहन बेटियों की सुरक्षा, व्यापारियों की सुरक्षा के लिए है। हमारी संवेदना किसी माफिया या अपराधी के प्रति कतई नहीं है। जीरो टोरलेंस के साथ सरकार अपराधियों से सख्ती से निपटने का काम कर रही है। सवालिया लहजे में सीएम योगी बोले कि कांवड़ यात्रा शांति से निकल रही है न, बेटियां सकुशल स्कूल जा पा रहीं हैं न। कहा कि नजीबाबाद दिल्ली से जुड़ रहा है।

कहा कि निर्माण होने के बाद गंगा एक्सप्रेस को मेरठ से हरिद्वार इसी रास्ते से ले जाएंगे। बिजनौर में सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेज बन रहा है। विकास की प्रक्रिया के साथ जुड़ते हुए नया परिवर्तन है। परिवर्तन तब आता है जब सरकार और समाज मिलकर जातिवाद, परिवारवाद, मत और मजहब वाद से उठकर विकास और सुरक्षा, खुशहाली के लिए काम करते हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले साढ़े नौ साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत देखने को मिल रहा है।

आजादी के बाद 70 सालों तक लोग क्या कर रहे थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ साल में चार करोड़ गरीबों को मकान दे दिए। कोरोना काल में नरेंद्र मोदी योजना बनाते थे प्रदेश सरकार प्रभावी ढंग से लागू करती थी। कोरोना काल में फ्री में वैक्सीन और इलाज मिला है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को राशन देने का काम किया।

क्रिसमस महोत्सव एवं ओपेन डे समारोह' का भव्य आयोजन

लखनऊ,(यूएनएस)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोल्फ सिटी कैम्पस द्वारा क्रिसमस महोत्सव एवं ओपेन डे समारोह 'जेनेसिस' का भव्य आयोजन आज विद्यालय प्रांगण में किया गया। इस शानदार समारोह मे छात्रों ने अपनी बहुमुखी

प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों की अभूतपूर्व बाल सुलभ प्रतिभा से अभिभावक गद्‌गद् नजर आये। इससे पहले, सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. गाँधी ने कहा कि क्लासरूम की पढ़ाई–लिखाई के साथ–साथ इस प्रकार की साँस्कृतिक–शैक्षणिक गतिविधियाँ बच्चों की रुचि व कला–कौशल को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है, जिससे उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास होता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस महोत्सव में छात्र व अभिभावक ने बड़े उत्साह से प्रतिभाग कर रहे हैं। डा. गाँधी ने अभिभावकों को स्कूल की गतिविधियों में रूचि लेने के लिए धन्यवाद दिया व सभी छात्रों को भविष्य में तरक्की करने के लिए अपना आशीर्वाद दिया। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं एम.डी., प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने भी छात्रों को उत्साहवर्धन किया।इस भव्य समारोह में जहाँ एक ओर छात्रों ने संगीत, नृत्य, फैशन शो आदि विभिन्न रोचक गतिविधियों में बहुमुखी प्रतिभा का जलवा बिखेरा तो वहीं दूसरी ओर रोमांचक गतिविधियों जैसे लैब्रिनबथे द्वारा स्पेस एडवेंचर, बागीरा द्वारा स्पोर्ट्स एंड कैंप एडवेंचर एवं लकबॉल एकडमी द्वारा फैमिली फुटबाल में भी प्रतिभाग हेतु छात्रों का जोश देखते ही बनता था। यह समारोह मनोरंजन से भरपूर विभिन्न प्रकार की साँस्कृतिक–शैक्षणिक गतिविधियों द्वारा बच्चों की अन्तर्निहित प्रतिभा को नये आयाम देने एवं उनकी क्रियाशीलता व वैचारिकता को बढ़ावा देने में सफल साबित हुआ। छात्रों ने पूरे जोशोखरोश से इस महोत्सव में शामिल होकर इसकी महत्ता को दर्शाया। सम्पूर्ण गोल्फ सिटी परिसर छात्रों की चहल–कदमी व उन्मुक्त प्रतिभा प्रदर्शन से गुंजायमान हो रहा था। सी.एम.एस. गोल्फ सिटी कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती रीमा सेठी ने इस अवसर पर कहा कि सी.एम.एस. अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक तीनों प्रकार की शिक्षा देकर उन्हें टोटल क्वालिटी पर्सन बनाने हेतु संकल्पित है। उन्होंने विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

लखनऊ बार का चुनाव कराने को लेकर धरना-प्रदर्शन

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ बार एसोसिएशन की चुनाव की तारीखों के ऐलान नहीं किए जाने से आक्रोशित वकील धरने पर हैं। रविवार को पूर्व महामंत्री लखनऊ बार एसोसिएशन रमेश प्रसाद तिवारी ने कहा, हाईकोर्ट लखनऊ बेंच ने आदेश दिया है कि बार एसोसिएशन का कार्यकाल पूरा होने के बाद तत्काल चुनाव कराया जाए। लेकिन मौजूदा पदाधिकारी की टीम चुनाव नहीं होने दे रही है। जो की हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना है। 19 दिसंबर से पूर्व पदाधिकारी समेत अधिवक्ता धरना प्रदर्शन दे रहे हैं। इसमें पूर्व महामंत्री लखनऊ बार एसोसिएशन, रजनीकान्त दुबे पूर्व संयुक्त मंत्री, वीरेन्द्र मिश्रा सौरभ पूर्व संयुक्त सचिव लखनऊ बार एसोसिएशन, शरद मिश्रा सिन्धू, नरेन्द्र शुक्ला, अरूण कुमार गिरि (हेमू), अजय यादव, अभिनेश यादव, लाल बाजपेई, सुरेश यादव, अरविन्द कुमार, शैलेन्द्र सिंह, मिथलेश अवस्थी आदि अधिवक्ता शामिल हैं। लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सरोज कुमार शुक्ला, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष परशुराम मिश्रा, श्रीपाल सिंह एडवोकेट, जयसिंह यादव, सहजराम यादव, नकुल यादव, अरविन्द कुमार यादव आदि लोगो ने निवर्तमान कार्यकारिणी के कोषाध्यक्ष मारूत कुमार शर्मा के साथ आए। उन्होंने कहा निवर्तमान अध्यक्ष व महामंत्री बाहर है। उनके आ जाने पर चुनाव की डेट शीघ्र घोषित कर दी जाएगी। इसलिए धरना प्रदर्शन स्थगित कर दिया जाए। इसके बाद अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन आपसी सहमति से स्थगित कर दिया। धरने पर बैठे वकीलों ने मांग की है कि जल्द चुनावों की घोषणा नहीं की गई तो आगे धरना फिर से शुरू हो जाएगा।

लखनऊ पब्लिक स्कूल आनंद नगर शाखा के वार्षिकोत्सव में माहौल हुआ राममय

लखनऊ, (यूएनएस)। सिया राम मय सब जग जानी, करऊ प्रणाम जोर कर पाणि। रामायण की इन पंक्तियों के साथ लखनऊ पब्लिक स्कूल आनंद नगर शाखा के वार्षिकोत्सव में पूरा माहौल राममय हो गया। रविवार को आनंद नगर शाखा के वार्षिकोत्सव हारमोनिकास –2023 की शुरुआत लखनऊ पब्लिक कॉलेज गोमती नगर के श्री राम मनोहर लाल मेमोरियल ऑडिटोरियम हॉल में हुई जिसमें बच्चों ने रामायण का सजीव मंचन किया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व छात्र डॉ.अखिलेश बनर्जी (इंजिनियर, इंटेल कारपोरेशन यूएसए), अतिविशिष्ट अतिथि पूर्व छात्रा श्रद्धा यादव, आईएफएस (डिप्टी कंजर्वेटर आफ फारेस्ट, फारेस्ट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, कानपुर) व पूर्व छात्र नवनीत सिंह (न्यायाधीश) मौजूद रहे।

हार्मोनिकाज के माध्यम से बच्चों ने सांस्कृतिक मूल्यों, परम्पराओं और मानव मूल्यों को स्थापित करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियों की शुरुआत रॉकबैंड से की। इसके बाद सनी संडे, कथक राकर्स, लिटिल स्टार, मिकी डांस क्लब, जगा ले जज्बा, फिटनेस गाला, स्वच्छता की जोत, शाबासियां, मोसाद ऑफ इंडिया, हाईरेटेड गबरू जैसी मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज के प्रबंधक व संस्थापक डा. एसपी सिंह, निदेशक नेहा सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती मीना तिवारी ने संस्था की शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान 30 बच्चों व उनके अभिभावकों को प्रशंसनीय उपलब्धियों पर प्रशस्ति पत्र, शॉल व बुके देकर सम्मानित किया गया।

सरयू नदी की धारा के बीच प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा लाइव

आठ किलोमीटर में सरयू की जलधारा में घूमेगा बोट

अयोध्या। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण सरयू नदी की धारा के बीच से दिखाए जाने की योजना है। इसके लिए इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग आईआरएस के निर्देशन में 1800 स्क्वायर फीट की एक बड़ी फ्लोटिंग बोट बनाई जा रही है ।सेंचुरी हॉस्पिटैलिटी और मेगा वर्ष एसोसिएट के द्वारा नगर निगम अयोध्या से इसके लिए एमओयू साइन किया गया है। बोट बायोडीजल जनरेटर से संचालित होगी। आगे चलकर इसे सौर ऊर्जा से चलाने की तैयारी है जिससे नदी सरयू प्रदूषण मुक्त रह सके। प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसे प्रतिदिन स्थाई रूप से चलाया जाएगा। 22 जनवरी के बाद आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक घाट की सीढ़ियों पर बैठकर महोत्सव के एक– एक पल को जीवंत रूप में देखेंगे। बड़ी स्क्रीन में अयोध्या के मंदिरों के इतिहास और लघु धार्मिक फिल्मों को दिखाई जाएंगी जिससे श्रद्धालु यहां के पौराणिक मंदिरों की महिमा को जान सकें। बड़ी बोट में 66 फीट चौड़ी स्क्रीन और 18

फुट की ऊंचाई की एलईडी स्क्रीन को लगाया जाएगा जो 1024 स्क्वायर फीट की होगी ताकि काफी दूर बैठा व्यक्ति भी आसानी से दृश्य को देख सके। कार्यदाई संस्था के मेगा वर्ष के एमडी अक्षय आनंद ने बताया कि 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधुनिक स्क्रीन बोट का उद्घाटन करेंगे। उनका दावा है कि यह भारत देश का सबसे बड़ी और यूपी की पहली फ्लोटिंग स्क्रीन बोट होगी। सरयू नदी के 6 फीट गहरे पानी में इस बोट का संचालन किया जाएगा। बड़ी स्क्रीन लगी बोट का संचालन 8 किलोमीटर के क्षेत्र में सरयू की जलधारा में होगा। निर्माण की जिम्मेदारी साउथ के फैब्रिकेटर टीम को मिली है। सरयू तट के करीब निर्माण कार्य किया जा रहा है।

डब्ल्यूएफआई सस्पेंड होने के बाद बृजभूषण शरण सिंह नाराज! बोले-संजय सिंह मेरे रिश्तेदार नहीं

गोण्डा,(यूएनएस)। खेल मंत्रालय ने रविवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। इस आदेश के बाद कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने नाराजगी जताई है।

उन्होंने कहा कि संजय सिंह मेरे रिश्तेदार नहीं है जो फैसला लेना है सरकार लेगी। उन्होंने कहा कि मैं श्रत्रिय हूं, संजय सिंह भूमिहार हैं। बृजभूषण ने कहा मैं कुश्ती संघ से सन्यास ले चुका हूं अब इसमें चुने हुए लोग ही फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव हुआ है। संगठन का चयन हो गया है। उन्होंने कहा कि मै 12 साल तक की सेवा की है, अब समय ही मुल्याकन करेगा कि हमने सही किया या गलत किया है। उन्होंने कहा कि आगे लोकसभा का चुनाव होने वाला है मेरा अगला कदम लोकसभा चुनाव होगा। कुश्ती से मेरा कोई लेना देना नहीं है। आरोप है कि नए अध्यक्ष ने उचित प्रकिया का पालन नहीं किया और पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिए बिना अंडर–15 और अंडर–20 राष्ट्रीय चौंपियनशिप के आयोजन की 'जल्दबाजी में घोषणाश की थी। मंत्रालय ने साथ ही कहा कि नई संस्था 'पूरी तरह से पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण में काम कर रही थी जो राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप नहीं है। डब्ल्यूएफआई के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे जिसमें पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह और उनके पैनल ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, ''नए निकाय ने डब्ल्यूएफआई संविधान का पालन नहीं किया। महासंघ अगले आदेश तक निलंबित रहेगा। डब्ल्यूएफआई कुश्ती के दैनिक कामकाज को नहीं देखेगा। उन्हें उचित प्रक्रिया और नियमों का पालन करने की जरूरत है।विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के साथ बृजभूषण के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया ने पूर्व अध्यक्ष के विश्वासपात्र संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बनने के विरोध में शुक्रवार को अपना पद्मश्री पुरस्कार सरकार को लौटा दिया था। इससे एक दिन पहले साक्षी ने भी कुश्ती को अलविदा कह दिया था। सूत्र ने निलंबन के कारणों के बारे में बताते हुए कहा, ''डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने 21 दिसंबर 2023 को अध्यक्ष चुने जाने के दिन ही घोषणा की कि कुश्ती के लिए अंडर–15 और अंडर–20 राष्ट्रीय चौंपियनशिप साल खत्म होने से पहले ही उत्तर प्रदेश के गोंडा के नंदिनी नगर में होगी। उन्होंने कहा, ''यह घोषणा जल्दबाजी में की गई है। उन पहलवानों को पर्याप्त सूचना दिए बिना जिन्हें उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना है। डब्ल्यूएफआई के संविधान के प्रावधानों का पालन भी नहीं किया गया।मंत्रालय के सूत्र ने कहा, ''डब्ल्यूएफआई के संविधान की प्रस्तावना के नियम 3 (ई) के अनुसार, डब्ल्यूएफआई का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा कार्यकारी समिति द्वारा चयनित स्थानों पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू (यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग) के नियमों के अनुसार सीनियर, जूनियर और सब जूनियर राष्ट्रीय चौंपियनशिप आयोजित करने की व्यवस्था करना है। सूत्र ने कहा कि नई संस्था ने उसी परिसर (बृजभूषण का आधिकारिक बंगला) में काम करना शुरू कर दिया है जहां से पिछले पदाधिकारी काम करते थे और जहां कथित तौर पर खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। सूत्र ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि नवनिर्वाचित निकाय पूर्व पदाधिकारियों के पूर्ण नियंत्रण में है जो खेल संहिता का पूर्ण उल्लंघन है।उन्होंने कहा, ''महासंघ का संचालन पूर्व पदाधिकारियों द्वारा नियंत्रित परिसर से हो रहा है। यह कथित परिसर भी वही है जहां खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और वर्तमान में अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही है। सूत्र ने कहा, ''भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नवनिर्वाचित कार्यकारी निकाय द्वारा लिए गए फैसले स्थापित कानूनी और प्रक्रियात्मक मानदंडों की घोर उपेक्षा को दर्शाते हैं जो डब्ल्यूएफआई के संवैधानिक प्रावधानों और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता दोनों का उल्लंघन है।सूत्र ने कहा कि नई संस्था के ये सभी कदम निष्पक्ष और पारदर्शी शासन के स्थापित मानदंडों के विपरीत हैं। सूत्र ने कहा, ''इन कदमों में अध्यक्ष की ओर से पूर्ण मनमानी की बू आती है जो सुशासन के स्थापित सिद्धांतों के खिलाफ है और पारदर्शिता तथा उचित प्रक्रिया से रहित है। निष्पक्ष खेल, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संचालन के मानदंडों का पालन महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों, हितधारकों और जनता के बीच विश्वास बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण है।श्र सूत्र ने कहा कि राष्ट्रीय चौंपियनशिप आयोजित करने का निर्णय कार्यकारी समिति को सूचित करके प्रक्रियात्मक तरीके से किया जाना चाहिए था जो नहीं किया गया। सूत्र ने कहा, ''इस तरह के निर्णय (राष्ट्रीय चौंपियनशिप का आयोजन) कार्यकारी समिति द्वारा लिए जाते हैं जिसके समक्ष एजेंडे को विचार के लिए रखा जाना आवश्यक होता है। डब्ल्यूएफआई संविधान के नियम 11 के अनुसार 'बैठक के लिए नोटिस और कोरमश शीर्षक के तहत, कार्यकारी समिति की बैठक के लिए न्यूनतम नोटिस अवधि के लिए 15 दिन का समय होता है और कोरम एक–तिहाई प्रतिनिधियों का होता है। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि कार्यकारी समिति की आपातकालीन बैठक के लिए भी न्यूनतम नोटिस अवधि सात दिन और एक तिहाई प्रतिनिधियों के कोरम की आवश्यकता स्पष्ट है। सूत्र ने कहा, ''डब्ल्यूएआई के नियम 10 (डी) के अनुसार महासंघ के सामान्य कामकाज को देखना, बैठकों का विवरण तैयार करना, महासंघ के सभी रिकॉर्ड तैयार करना, आम सभा और कार्यकारी समिति की बैठक बुलाना डब्ल्यूएफआई के महासिचव का काम है।श्र उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि महासचिव कार्यकारी समिति की उक्त बैठक में शामिल नहीं थे जो बिना किसी नोटिस या कोरम के आयोजित की गई थी। डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित महासचिव प्रेम चंद लोचब ने चुनाव के एक दिन बाद संजय सिंह को लिखा था कि ''कुछ राज्यों ने आयु वर्ग और जूनियर राष्ट्रीय चौंपियनशिप के कार्यक्रम और स्थल में बदलाव पर आपत्ति जताई है।

अयोध्या में 3 जनवरी तक पुलिस को नहीं मिलेगी छुट्टी, एसएसपी ने आदेश किया जारी

अयोध्या। पीएम मोदी 30 दिसंबर को अयोध्या में रहेंगे। उनकी सुरक्षा तैयारियों को देखते हुए अयोध्या एसएसपी राजकरण नय्यर ने जिले की पुलिस जवानों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। अब 3 जनवरी तक छुट्टी पर रोक है। एसएसपी कार्यालय से एक आदेश भी जारी किया गया है। मोदी अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अयोध्या के नई रेलवे भवन का उद्घाटन करेंगे। साथ में दो ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाएंगे। इसके साथ ही एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जिसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। विशेष परिस्थितियों में एसएसपी छुट्टी देने पर विचार करेंगे। मोदी रोड शो वाले रास्ते पर सड़क की दोनों ओर रहने वाले और रेलवे स्टेशन के आस–पास स्थित घर–दुकान मालिकों को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। उनके परिवार के सदस्यों की संख्या मांगी है। बाहरी आने वाले जैसे–रिश्तेदार, नौकर और किराएदारों के बारे में जानकारी मांगी है। इसके लिए पुलिस ने मोबाइल नंबर भी जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित टटप्ज लोग अयोध्या में रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

सम्पादकीय

मजबूत वर्तमान सुनहरे भविष्य की आधारशिला

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 141 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड–19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

दूर संचार विधेयक में बदलाव के निहितार्थ

देश में आज भी ऐसे तमाम कानून है जो अंग्रेजों के समय से चले आ रहे है। कई कानून ऐसे है जिनमें बदलाव की जरूरत है। 150 वर्ष पुराने राजदोह से लेकर कई ऐसे कानून है जिस पर वर्तमान सरकार बदलाव भी कर रही है। ऐसो में दूरसंचार विधेयक, 2023 ध्वनिमत से गत दिवस पारित कर दिया गया। यह विधेयक 138 साल पुराने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1933 और टेलीग्राफ तार (गैरकानूनी कब्जा) अधिनियम 1950 की जगह लेगा। इस विधेयक में फर्जी सिम लेने पर 3 साल जेल और 50 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यही नहीं, विधेयक में उपभोक्ताओं को सिम कार्ड जारी करने से पहले अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक पहचान करने को कहा गया है।विधेयक के बनाई गई और वाजिब शुल्क निधारित किए गए। यही नहीं सुरक्षा उपायों के साथ 100 फीसदी एफडीआई की भी इजाजत दी गई। ज्ञात हो कि 2जी एलोकेशन को लेकर हुए विवाद और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे अवैध करार दिए जाने के बाद इस क्षेत्र में जो शिथिलता दिखने लगी थी, वह इन सुधारों से दूर हुई। इसका असर भी इंडस्ट्री

अधिनियम की जगह लेगा। इस विधेयक में सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी देश या व्यक्ति के टेलीकॉम सेवा से जुड़े उपकरणों को निलंबित या प्रतिबंधित करने का अधिकार होने का प्रावधान किया गया है। साथ ही आपात स्थिति में मोबाइल सेवाओं और नेटवर्क पर प्रतिबंध लगाने के लिए भी प्रावधान किया गया है। नये विधेयक में उपग्रह स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए गैर नीलामी मार्ग प्रदान करने का भी प्रावधान है।सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा और जन सुरक्षित लिए किसी भी टेलीकम्यूनिकेशन सेवा या नेटवर्क का अस्थायी अधिग्रहण कर सकती है।

केंद्र या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संवाददाताओं के संदेशों को इंटरसेप्ट नहीं किया जा सकेगा, लेकिन अगर ये राष्ट्रीय सुरक्षित तहत प्रतिबंधित हैं तो इन्हें इंटरसेप्ट किया जा सकता है।भारत की संप्रभुता और अखंडता के अलावा रक्षा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार टेलीकम्यूनिकेशन और सेवाओं से संदेशों के प्रसारण को लेकर निर्देश जारी कर सकती है.किसी भी संदेश को गैरकानूनी रूप से इंटरसेप्ट करना दंडनीय है जिसके लिए तीन साल तक की सजा, दो करोड़ रुपए का जुर्माना या दोनों एक साथ हो सकते हैं.मसौदे में किसी कंपनी द्वारा अपना परमिट सरेंडर करने की स्थिति में लाइसेंस, पंजीकरण का शुल्क वापस करने जैसे कुछ नियमों को आसान बनाने का प्रस्ताव किया गया था। नए बिल में सरकार को उपभोक्ताओं के हित में प्रवेश शुल्क, लाइसेंस शुल्क, जुर्माना माफ करने, बाजार में प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने, दूरसंचार नेटवर्क की उपलब्धता या निरंतरता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की शक्ति प्रदान करने का प्रस्ताव है।संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक ये विधेयक जनता के हित में, सार्वजनिक आपातकाल के मामले में संदेशों के प्रसारण को रोकने और अवरोधन करने का प्रावधान करता है। यह नया विधेयक भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885, भारतीय वायरलेस टेलीग्राफी अधिनुसार कंपनियों को प्रचार–विज्ञापनों के प्रसार के लिए उपभोक्ताओं की पूर्व अनुमति लेनी होगी। अधिक मूल्य की वसूली पर ट्राई सही कीमत तय करेगा। साथ ही, जांच के साथ कार्रवाई भी कर सकेगा।नए विधेयक में उद्योग जगत की चिंताओं का ख्याल रखते हुए ओवर द टॉप (ओटीटी) या इंटरनेट आधारित कॉलिंग और मैसेजिंग को दूरसंचार की परिभाषा में नहीं रखा गया है। इससे व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे संचार सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी।इस विधेयक से दूरसंचार कंपनियों के लिए कई अहम नियम सरल तो होंगे ही, इसके जरिये उपग्रह सेवाओं के लिए भी नए नियम भी लाए जाएंगे। इसमें उपग्रह स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए गैर–नीलामी का मार्ग उपलब्ध कराने के प्रावधान हैं। परिभाषित किया गया है कि किस परिस्थिति में प्रशासनिक तरीके से स्पेक्ट्रम आवंटित किए जाएंगे।विधेयक के अनुसार, केंद्र या राज्य सरकारों से मान्यता प्राप्त संवाददाताओं के भारत में प्रकाशन के लिए जारी किए गए प्रेस संदेशों को तब तक रोका नहीं जाएगा, जब तक कि उनके प्रसारण को सार्वजनिक आपातकाल, सार्वजनिक व्यवस्था के लिए लागू नियमों के तहत प्रतिबंधित नहीं किया गया हो। ये कानून तेजी से बदलते इस क्षेत्र के लिए पुराने पड़ते जा रहे थे और इन्हें बदलने की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। लेकिन इस बिल में प्रस्तावित बदलावों पर विचार करने से पहले पिछले दस वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में हुए सुधारों और उनके परिणामों पर एक नजर डाल लेना बेहतर होगा।सरकार ने इस दौरान एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू की परिभाषा, बैंक गारंटी की जरूरत में तो बदलाव किया ही,वायरलेस प्लानिंग एंड कोऑर्डिनेशन विंग की प्रक्रिया में भी पूर्ण सुधार किया। राइट्स ऑफ वे की प्रक्रिया भी आसान पर दिखा।बेस ट्रांससीवर स्टेशन की संख्या इस दौरान 6.25 लाख से बढ़कर 25.5 लाख हो गई। ब्रॉडबैंड इंटरनेट के उपभोक्ता 1.5 करोड़ से बढ़कर 85 करोड़ हो गए। राइट्स ऑफ वेमंजूरी में लगने वाला औसत समय 230 दिनों से घटकर 10 दिन हो गया। परिणाम यह कि 3 लाख करोड़ के अधिक एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू के साथ टेलिकॉम अब एक सनराइज सेक्टर के रूप में देखा जा रहा है।टेलिकम्युनिकेशंस बिल 2023 इन्हीं सुधारों की कड़ी को आगे बढ़ा रहा है। इसके मुताबिक स्पेक्ट्रम सौंपने का मुख्य तरीका ऑक्शन होगा। एडमिनिस्ट्रेटिव असाइनमेंट केवल जनहित (जैसे मेट्रो, सामुदायिक रेडियो) सरकारी कार्य (जैसे रक्षा, रेलवे, पुलिस) और उन क्षेत्रों तक सीमित होगा, जिनमें तकनीकी या आर्थिक कारणों से ऑक्शन को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। इसमें काम में न लाए जाने वाले स्पेक्ट्रम सरकार को वापस लौटाने का भी प्रावधान है। भूलवश कानून का उल्लंघन होने पर स्वेच्छा से अपनी गलती मानने का विकल्प है। विवाद निपटाने के लिए भी बहुस्तरीय व्यवस्था है और इस पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रखा गया है।राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से इंटरसेप्शन के कुछ अधिकार सरकार के पास होने जरूरी हैं। फिर भी कुछ हलकों में इससे जुड़े पहलुओं पर चिंता है। लेकिन इस चिंता का औचित्य और उसका हल सही अर्थों में तभी सामने आएगा जब यह बिल कानून बनेगा और इसके उपयोग या दुरुपयोग से जुड़े पहलू व्यवहार में दिखने शुरू होंगे। कुल मिलाकर इस बिल में जिन कदमों का प्रस्ताव किया गया है, उससे टेलिकॉम इंडस्ट्री और डिजिटल इकॉनमी को और रफ्तार मिलेगी। अगर नये कानून का शतप्रतिशत कड़ाई से पालन किया गया तो 50 प्रतिशत तक साइबर अपराधों और धोखाधड़ी को रोकने में कामयाबी मिल सकती है।

धनखड़-खड़गे पत्राचार!

संसदीय लोकतन्त्र की बुनियादी शर्त संवाद और परिचर्चा या बहस होती है। इसके विलुप्त हो जाने पर संसद से लेकर सड़क तक जो गतिरोध व्याप्त होता है उससे लोकतन्त्र में लोगों की आस्था डगमगाने का डर समाहित हो जाता है। इसी वजह से आजादी के बाद से भारत ने जो संसदीय प्रणाली अपनाई उसमें यह प्रावधान किया कि केन्द्र में जिस पार्टी की भी सरकार बनेगी उसमें कैबिनेट स्तर का एक संसदीय कार्यमन्त्री भी होगा जिसका मुख्य काम यही देखना होगा कि संसद के दोनों सदनों लोकसभा व राज्यसभा में सत्ता व विपक्ष में बैठे हुए लोगों के बीच सर्वदा सौहार्दपूर्ण वातावरण में संवाद कायम रह सके और किसी भी प्रकार के गतिरोध की संभावना को उपजने से रोका जा सके। मगर इसके साथ ही यह भी अलिखित नियम बनाया गया कि संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की ही होगी। इसकी भी एक प्रमुख वजह यह थी कि लोकतन्त्र में लोगों द्वारा दिये गये बहुमत के जनादेश से ही किसी भी राजनैतिक दल की सरकार गठित होगी जो कि चुनाव में विपक्ष में बैठे राजनैतिक दलों को परास्त करके सत्तारूढ़ होगी परन्तु विपक्षी सांसदों का चुनाव भी लोगों द्वारा अपने मत के माध्यम से ही किया जायेगा अतः जो भी जनमत विपक्ष के पक्ष में आया है उसके सन्देहों को दूर करने की जिम्मेदारी सरकार गठित करने वाले सत्तारूढ़ दल की ही होगी। इस बेजोड़ व खूबसूरत जनाभिमुखी संसदीय व्यवस्था की आज जो हालत राजनैतिक दलों की आपसी लागडांट के चलते हो रही है उससे भारत का आम मतदाता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता क्योंकि संसद सदस्य उसी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें खास ध्यान देने वाली बात यह भी है कि संसद की इस व्यवस्था का संरक्षण करने का अधिभार दोनों सदनों के अध्यक्षों को संवैधानिक रूप से इस प्रावधान के साथ सौंपा गया कि संसद के दोनों सदनों की सत्ता सरकार से स्वतन्त्र रहेगी और हर पक्ष के सांसद के अधिकार एक समान होंगे जिनका संरक्षण करने की जिम्मेदारी दोनों सदनों के अध्यक्षों की रहेगी। यहां राज्यसभा की विशेष स्थिति बनाई गई और इसके अध्यक्ष या सभापति भारत के चुने हुए उप–राष्ट्रपति को बनाया गया। वर्तमान में इस पद पर श्री जगदीप धनखड़ विराजमान हैं। राज्यसभा के सभापति पद को उप–राष्ट्रपति को सौंपने के पीछे एक कारण यह भी था कि हमारी संसद का गठन राष्ट्रपति, राज्यसभा व लोकसभा को मिला कर होता है। राष्ट्रपति संविधान के संरक्षक भी होते हैं अतः उप–राष्ट्रपति को राज्यसभा का 'पदेन सभापति' बना कर संसद के संवैधानिक कार्य को शुचिता का कलेवर पहनाया गया। राज्यसभा क्योंकि राज्यों की परिषद होती है जिसके सदस्यों का चुनाव भारत के राज्यों की विभिन्न विधानसभाओं में चुने गये विधायक करते हैं और उप–राष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा में चुने गये सांसद करते हैं। इससे राज्यसभा के सभापति के रूप में सदन के भीतर भारत के आम मतदाता का ही समेकित प्रतिनिधित्व स्वतः हो जाता है। इसे उच्च सदन कहने के पीछे भी यही तर्क है। अतः इसकी कार्यवाही का संसदीय प्रणाली में विशिष्ट स्थान स्वतः हो जाता है। इसके सदस्यों के पास सरकार की जवातलबी के अधिकार भी लोकसभा सदस्यों के मुकाबले कुछ अधिक ही होते हैं जैसे कि किसी मन्त्री द्वारा दिये गये वक्तव्य पर स्पष्टीकरण पूछना। मगर वर्तमान में संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जो गतिरोध बना और जिसके चलते राज्यसभा के 46 व लोकसभा के 100 सदस्य निलम्बित किये गये उससे पूरे देश में जो सन्देश गया वह संसद के ही 'अप्रासंगिक (इर–रिलेवेंट)' होने का गया। इस सन्दर्भ में श्री जगदीप धनखड़ व राज्यसभा में विपक्ष के कांग्रेसी नेता श्री मल्लिकार्जन खड़गे के बीच गतिरोध समाप्त करने को लेकर जो पत्र–व्यवहार हुआ वह वर्तमान राजनैतिक दौर की व्याहारिक राजनीति की हकीकत बयान करने वाला है। श्री धनखड़ ने पत्र लिख कर श्री खड़गे से कहा था कि वह गतिरोध समाप्त करने के सम्बन्ध में उनसे उनके कार्यालय में आकर चर्चा करें। श्री खड़गे सदन के भीतर ही लगातार मांग करते रहे कि संसद की सुरक्षा चूक के मामले में उन्हें सदन के भीतर सवाल उठाने के लिए कुछ समय दिया जाये। श्री धनखड़ ने यह कृपा नहीं दिखाई। सदन में सत्ता को जवाबदेह बनाने का अधिकार विपक्ष के नेता के पास सर्वदा रहता है। श्री खड़गे ने अपने जवाब में लिखा कि उन्हें सदन के भीतर विषय उठाने के लिए एक या दो मिनट तक का समय नहीं दिया गया जबकि लोकतन्त्र में संवाद व बहस के माध्यम से ही समस्या का निदान ढूंढा जाता है। यहां एक बात समझने की और है कि उप–राष्ट्रपति जब राज्यसभा के सभापति के रूप में काम करते हैं तो वह संसद की स्वतन्त्र सत्ता के नियम से बंध जाते हैं और उनकी निगाह में सदन के प्रत्येक सदस्य के अधिकारों के संरक्षण की जिम्मेदारी सर्वोपरि हो जाती है। संसद को हर हाल में प्रासंगिक बनाये रखने की जिम्मेदारी सरकार से ज्यादा दोनों सदनों के अध्यक्षों की होती है क्योंकि उनके पास मन्त्रियों से भी जवाब तलबी का अधिकार होता है। इस पत्र व्यवहार से हमें यह पता चलता है कि संसद में गतिरोध किस सीमा तक पहुंच सकता है क्योंकि 146 सांसद निलम्बित हो चुके हैं। सवाल इस वास्तविकता से भी जुड़ा हुआ है कि चार महीने बाद ही लोकसभा के चुनाव होने हैं जिनमें 543 सांसद चुने जायेंगे। इन सांसदों को सत्ता या विपक्ष में बैठ कर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विपक्ष सवाल पूछता है और सरकार जवाब देती है। यही तो वह संवाद है जो लोकतन्त्र को जीवन्त रखता है और आम आदमी की इसमें सहभागिता सुनिश्चित करता है। मगर किसी भी पक्ष का जिद पर अड़ना लोकतन्त्र के मिजाज के खिलाफ ही होता है इसीलिए 'संवाद' इसकी जरूरी शर्त होती है।

WFI के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने गृहमंत्री के साथ होने वाली मुलाकात को लेकर तोड़ी चुप्पी, बताया कारण

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात को लेकर चुप्पी तोड़ दी है। अपने करीबी संजय सिंह को भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद बृजभूषण लगातार एक्शन में है। एक तरफ बृजभूषण शरण सिंह लगातार बयान दे रही है कि वह रेसलिंग और राजनीति से दूर है दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं के साथ उनकी मुलाकात का दौर भी लगातार जारी है। रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद सोमवार को अमित शाह से भी बृजभूषण मुलाकात कर सकते हैं।

इस मुलाकात से पहले बृजभूषण शरण सिंह ने न्यूज़ एजेंसी एएनआई को बताया है कि उन्होंने रेसलिंग और राजनीति से संन्यास ले लिया है। भैया अमित शाह के साथ होने वाली मुलाकात को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे जो कहना था मैं कल कह चुका हूं। कुश्ती की राजनीति और कुश्ती से में संन्यास ले चुका हूं। उन्होंने कहा कि मैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मिलेगा लेकिन कुश्ती पर कोई चर्चा नहीं होगी।

जेपी नड्डा से भी हो चुकी है बृजभूषण शरण सिंह की मुलाकात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े विवाद को खत्म करने की कवायद के तौर पर रविवार को पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह को मिलने के लिए बुलाया। सिंह के करीबी लोगों के भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का नियंत्रण लेने के बाद कुछ प्रमुख पहलवानों ने अपना प्रदर्शन फिर से शुरू कर दिया है जिससे एक विवाद खड़ा हो गया है। सूत्रों ने बताया कि यह पार्टी नेतृत्व का दबाव ही था कि लंबे समय तक डब्ल्यूएफआई पर अपनी पकड़ बनाए रखने वाले सिंह ने घोषणा की कि अब उनका संघ से कोई लेना–देना नहीं है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से सांसद सिंह ने नड्डा से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, ''मैंने अब संन्यास ले लिया है। मेरे पास और भी बहुत जिम्मेदारियां हैं। मुझे चुनाव (लोकसभा) तैयारियां भी देखनी हैं।''

विपक्षी एकजुटता आसान नहीं

तीन हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद पिछले हफ्ते राष्ट्रीय राजधानी में 28 पार्टियों की चौथी बैठक बुझी–बुझी सी रही। इस हार ने उस पार्टी को हतोत्साहित कर दिया है, जिसे सर्वव्यापी भाजपा–विरोधी गठबंधन का मुख्य आधार माना जाता है। अन्य विपक्षी समूहों ने कांग्रेस की हार में उन शर्तों को निर्धारित करने का अवसर देखा, जिन पर भाजपा से लड़ने के लिए न्यूनतम एकता हासिल की जा सकती थी। जून में जद (यू) प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पटना में विपक्षी दलों के पहले सम्मेलन के बाद से कुछ भी ठोस हासिल नहीं हुआ है। बेंगलुरु और मुंबई में हुई दूसरी और तीसरी बैठकें भी एक्शन के ब्लूप्रिंट से रहित थीं, दिनभर चलने वाले सत्र मोदी को हराने की आम इच्छा व्यक्त करने वाले खाली भाषणों में बदल गए, लेकिन इस उद्देश्य को कैसे प्राप्त किया जाए, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी। सरकारी अशोक होटल में दिल्ली कॉन्क्लेव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निमंत्रण पर आयोजित किया गया था। हालांकि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसदों के सामूहिक निलंबन के कारण यह बैठक प्राइम टाइम का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित नहीं कर पाई। अलबत्ता निलंबन मामले ने बड़ी सुर्खियां बटोरीं। निलंबन ने सत्तारूढ़ सरकार और विपक्ष के बीच विश्वास की पूरी कमी को उजागर किया। लेकिन यह संभावना नहीं है कि रिकॉर्ड 143 सांसदों के निलंबन, या यहां तक घ्घ्घ्कि हिंदी पट्टी राज्यों में कांग्रेस पार्टी की भारी हार विपक्षी नेताओं को व्यापक एकता के लिए समझौता करने के लिए तैयार करने को अधिक तर्कसंगत बनाएगी। बेशक, तीन घंटे की इस चौथी बैठक में कुछ प्रगति हुई हो। बैठक के बाद यह दावा किया गया था कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सीट–बंटवारे का समझौता साल के अंत तक हो जाएगा। हालांकि 31 दिसंबर की समय सीमा बहुत जल्दी लगती है। पार्टियां आसानी से अधिक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के अपने दावे नहीं छोड़तीं। जिनके पास लंबी यादें हैं, उन्हें याद होगा कि कैसे आपातकाल के बाद 1977 में पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में मोरारजी देसाई की कांग्रेस (संगठन) और सीपीआई (एम) सीट–बंटवारे की व्यवस्था बनाने में विफल रहे थे। कांग्रेस (ओ) ने दो–तिहाई सीटों पर जोर दिया जबकि सीपीआई (एम) उसे 60 प्रतिशत देने को तैयार थी। अंततः, वार्ता विफल रही और दोनों दलों ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सभी सीटों पर चुनाव लड़ा। उपरोक्त उदाहरण में कांग्रेस पार्टी के लिए एक सबक हो सकता है। हालांकि मनोबल तोड़ने वाली हार झेलने के बाद भी 138 साल पुरानी पार्टी का पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रभाव है। और उसे भाजपा को हराने के लिए सामान्य उद्देश्य को प्राप्त कर अन्य विपक्षी समूहों को समायोजित करके सद्भावना का उपयोग करना चाहिए। 'इंडिया' गठबंधन के सबसे बड़े घटक के रूप में यह छोटे समूहों को साथ लेकर चलती है। यदि भाजपा के खिलाफ आमने–सामने की लड़ाई के हित में कुछ त्याग भी करना पड़े तो उसे इसके लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन सीट–बंटवारे की व्यवस्था करना आसान नहीं है क्योंकि हाल ही में यह प्रमुख राज्य पश्चिम बंगाल के घटनाक्रम से स्पष्ट हो गया है। दिल्ली एन्क्लेव में सीट–बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने के संकल्प के एक दिन बाद पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के एक शीर्ष नेता मोहम्मद सलीम ने सार्वजनिक रूप से इस विचार को खारिज कर दिया और कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। वहीं अपनी ओर से कांग्रेस पार्टी के पश्चिम बंगाल अध्यक्ष और लोकसभा में उसके नेता अधीर रंजन चौधरी के हवाले से मीडिया में कहा गया कि पार्टी लोकसभा चुनाव में न्यूनतम नौ सीटों की अपनी मांग पर कोई समझौता नहीं करेगी। वैसे अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की सभी तेरह लोकसभा सीटों पर दावा ठोक दिया है।

संक्षिप्त में कहे तो भाजपा के खिलाफ कई उम्मीदवारों से बचना कोई आसान काम नहीं है। इस बीच गठबंधन के लिए उसके प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का मुद्दा भी कम पेचीदा नहीं था। टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जब प्रधानमंत्री पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित किया तो उन्होंने गुगली फेंकी। आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए खड़गे का नाम सुझाने के लिए एक दिन पहले बनर्जी से मुलाकात की थी। जाहिर है कि कांग्रेस के नेतृत्व के लिए गांधी परिवार के उम्मीदवार खड़गे शर्मिंदा थे। उन्होंने इस सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि नेता चुनने से पहले हमारा पहला काम बहुमत हासिल करना है। लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं कि अन्य क्षेत्रीय समूहों के नेता भी ममता के सुझाव से उत्साहित नहीं थे। शायद बनर्जी ने गांधी परिवार को शर्मिंदा करने के लिए खड़गे का नाम प्रस्तावित किया हो, जो निश्चित रूप से चाहते होंगे कि राहुल को पीएम उम्मीदवार के रूप में पेश किया जाए, लेकिन नीतीश कुमार जैसा कोई व्यक्ति नहीं चाहता था कि खड़गे द्वारा गठबंधन का नेतृत्व करने की उनकी संभावना रद्द कर दी जाए। एक प्रेरक नेता के बिना एक नकारात्मक गठबंधन को मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की चुनौती का सामना करना मुश्किल हो सकता है। क्योंकि एक पश्चिमी जनमत सर्वेक्षण एजेंसी के अनुसार दिसंबर की शुरुआत में मोदी की लोकप्रियता 76 फीसदी के उच्चतम स्तर पर थी, जिसका मुकाबला करना कठिन कार्य है।

पारिवारिक फिल्म है हैप्पीजन टेलीफिल्म्स औरो फिल्म प्रोडक्शन की लव करूँ या शादी

लखनऊ, (यूएनएस)। हैप्पीजन टेलीफिल्म्स ने खुशी से उत्कृष्ट निर्देशक जयप्रकाश शॉ की दृढ़ता से निर्देशित एक चित्र को प्रस्तुत किया है, लव करूँ या

शादी,जो कि औरो फिल्म प्रोडक्शन की एक महत्वपूर्ण फिल्म है। जो कि पूरी तरह परिवारिक फिल्म है। यह फिल्म नए प्रतिभाओं की एक ताजगी से युक्त है, जिसमें प्रमुख नए अभिनेताओं में अकर्षा आलाघ, मिशा कपूर, मरीना सिंह, प्रीती सिंघानिया, और बहुत से अन्य शामिल हैं, सभी उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक राज्य से हैं। जौनपुर, उत्तर प्रदेश में जन्मे शॉ ने लगभग 21 फिल्में निर्देशित की हैं, जिनमें ऋषि कपूर, संजय कपूर, रवीना टंडन, तब्बू, मनीषा कोइराला, और कई अन्य कलाकारों के साथ सहयोग किया है। शॉ ने अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए कहा, लव करूँ या शादी एक पारंपरिक सांस्कृतिक का मिश्रण है जो आध ुनिक विचारधारा के साथ है. यह एक रोमांस, परिवार, और भावनाओं की यात्रा है जिसमें हास्य का भी स्पर्श हैकृयह एक पूर्ण परिवारिक नाटक है जो आपको भावनाओं के रोलर कोस्टर के माध्यम से ले जाएगा और निश्चित ही आपकी हंसी निकालेगा.सितारों से भरपूर लाइनअप में जोड़ते हुए, मुख्य कास्ट में अली असगर, गोविंद नामदेव, मिलिंद गुणाजी, मुश्ताक खघन, सोनिका गिल, फरीदा दादी, गरिमा अग्रवाल, मनोज बख्शी, अनीता सहगल, हैप्पी शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार शामिल हैं। फिल्म का पूर्वानुमानित विमोचन फरवरी 2024 में होने वाला है, जो निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक रूचिकर अनुभव होगा और दर्शकों के दिलों को छूने का प्रयास करेगा। फिल्म के लिए प्रमोशन और पब्लिसिटी का आयोजन मुंबई के फॉर्च्यून लाइफलाइन मीडिया एंटरटेनमेंट्स के शब्बीर शेख और वीफॉरयू मीडिया ने किया हैं।

माता सीता की विदाई का प्रसंग सुन भावुक हुए भक्त

लखनऊ, (यूएनएस)। ''गारी गावें जनकपुर की नारियां, दूल्हा बने रामजी लला...'' जब कलेवा का समय आया तो जनकजी ने यहां सुन्दर षटरस भोजन खिलाया गया और महिलाओं ने प्रभु श्रीराम को प्रेमपूर्ण गारी सुनाई। सेक्टर—'ए' सीतापुर रोड़ योजना कालोनी में स्थित विश्वनाथ मन्दिर के 32वें स्थापना दिवस पर श्रीरामलीला पार्क में चल रहे मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीरामकथा के सातवें दिन रविवार को कथाव्यास आचार्य गोविंद मिश्रा ने बताया कि विदाई की सूचना मिलने पर कन्याओं को गोद में उठाकर मातायें उन्हें शिक्षा देती हैं कि ससुराल में सास—ससुर, गुरू और परिवार की भलीभांति सेवा करना व पति की इच्छानुसार कार्य करना। उन्होंने पारिवारिक कलह और अशान्ति को दूर करने के लिए मार्ग सुझाते हुए कहा कि यदि दहेज प्रथा खत्म नहीं हुई तो आने वाले वक्त में बहु लाना मुश्किल हो जाएगा। विदाई का प्रसंग सुन भक्त भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि जनकराज से जब माता सीता मिलती है तो परम् विरागी होने के बाद भी जनकजी के आंखों से अश्रुध ारा नहीं रूकती है। जिसके पश्चात् गणेश जी का ध्यान कर व दही का सगुन देख जब बारात विदा होकर अयोध्या की ओर चली तो देवताओं ने पुष्प वर्षा की। जनकपुर से विदा होकर अयोध या पहुंची बारात के नगर प्रवेश का वर्णन सुनाते हुये कथा व्यास आचार्य गोविंद मिश्रा ने कहाकि जिस समय भगवान श्रीराम अयोध या में प्रवेश करते हैं तो बारम्बार सीताराम की छवि को देखकर लोग अपने जीवन को धन्य मानते हुये जगत में आनन्दित हो रहे हैं। कथा व्यास ने कहाकि श्रीराम जानकी विवाह के प्रसंग को सुनने से परिवार और गृहस्थ जीवन में सुख—शांति मिलती है। पारिवारिक एकता, पति—पत्नी का आपसी विश्वास, स्नेह और माधुर्य हमेशा बना रहता है।

सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले दिवंगतों के परिजनों को किया सम्मानित

लखनऊ, (यूएनएस)। सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले दिवगंतों के परिजनों को सम्मानित करने के साथ जानकीपुरम स्थित राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण अनुसंध ानशाला के प्रांगण में चल रहे तीन दिवसीय विद्यार्थी प्रतिमा उत्सव समाप्त हो गया। तीन दिनों तक चले इस उत्सव में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर उन्हें प्रशस्तिपत्र और छात्रों को आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले विभिन्न स्कूल, संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। इससे पहले समाज के लिये सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले उमेश चन्द्र मिश्र, राजीव मेहरोत्रा, श्रीमती छाया और श्रीमती ज्योति पाठक की असमायिक मृत्यु होने होने पर उन्हें श्रृद्धांजलि दी गयी और उनके योगदान के लिये परिवारीजनों को समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। सामाजिक संस्था सोसायटी ऑफ कॅरियर टेक्नोलॉजी (सोक्ट) एवं जनविकास महासभा के तत्वावध ान में तीन दिन तक चले इस विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व महापौर सुरेश चन्द्र अवस्थी, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चन्द्र अवस्थी, क्षेत्रीय पार्षद राज कुमार मौर्य, सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। उत्सव के समापन कार्यक्रम के प्रथम सत्र में स्कूली बच्चो का अपनी प्रतिभाओं को दिखाने का क्रम जारी रहा। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा कई बेहतरीन नृत्य, संगीत, कबाड़ से जुगाड़, संक्षिप्त भाषण और वाद्य धंत्र वादन के कार्यक्रम हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्पर्श मौर्य ने जल संरक्षण के लिए योजनायें प्रस्तुत की, नृत्य को श्रृंखला में ओजस्वी, जाहन्वी सिंह, पावनी सिंह, रोशनी, के. निमिषा, आशी, सिद्धि गुप्ता और कृष्णा ने वाद्य यंत्र वादन के साथ श्री राम स्तुति प्रस्तुत की। आयी सिंह ने पर्यावरण संरक्षण को जागरुकता के लिये संक्षिप्त भाषण की प्रस्तति की। सार्थक ने बांसुरी की प्रस्तुति की। उत्सव के सफल आयोजन पर मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अगले वर्ष विद्याथी प्रतिभा उत्सव और व्यापक स्तर पर किया जायेगा, ताकि शहर के हजारों स्कूली छात्र अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकें।

महाब्राह्मण हर जगह जाकर सपा का प्रचार करेंगे,

राष्ट्रीय कार्यरत पार्टी की महापंचायत में हुआ फैसला, अखिलेश यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर महाब्राह्मण महापंचायत हुई। राष्ट्रीय कार्यरत पार्टी की तरफ से महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। महापंचायत में फैसला लिया गया है कि महाब्राह्मण जगह—जगह जाकर सपा का प्रचार करेंगे। साथ ही सामान्य वर्ग के लोगों को सपा से जोड़ने की मुहिम शुरू होगी। राष्ट्रीय कार्यरत पार्टी के अध्यक्ष टुनटुन पांडेय आज के कार्यक्रम के संयोजक थे।इसके एक दिन पहले यानि 23 दिसंबर को ही सपा पार्टी कार्यालय पर प्रबुद्ध वर्ग की बैठक हुई। इसमें अखिलेश यादव भी शामिल हुए थे। बैठक में स्वामी प्रसाद मौर्या के विवादित बयानों का मुद्दा उठा। प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने इसका विरोध जताया। इस दौरान अखिलेश यादव ने स्वीकार किया कि किसी भी धर्म—जाति वर्ग पर टीका टिप्पणी करना गलत है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या की ओर से दिया गया बयान सही नहीं है।समाजवादी पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के राष्ट्रीय और प्रदेश के पदाधिकारी आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक कर रहे हैं। तमाम बैठकों में अखिलेश यादव स्वयं मौजूद रह रहे हैं। समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ये बैठक आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर की जा रही है। प्रदेश और राष्ट्रीय टीम के पदाधिकारी के साथ प्रत्येक वर्ग और जाति के नेताओं को जोड़ने का सिलसिला जारी है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के फ्रंटल विंग और विभिन्न प्रकोष्ठों के टीम भी बैठक कर रही है।यूपी में सपा सबसे बड़ा विपक्षी दल हैं। ऐसे में सपा यूपी में इंडिया गठबंधन की कमान संभाल सकती है। वहीं लोकसभा चुनाव से पहले शिवपाल यादव को भी अहम जिम्मेदारियां मिल सकती है। सपा में वापसी के बाद शिवपाल लगातार पार्टी को मजबूत बनाने के काम कर रहे हैं। पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया, इसके साथ ही उन्हें यूपी का प्रभारी भी बनाया गया। शिवपाल यादव अब सपा में अखिलेश यादव के बाद दूसरे नंबर पर आते हैं। इसके साथ ही उनके बेटे आदित्य यादव को भी पार्टी में अहम जिम्मेदारी दी गई है।

किसानों के प्रति प्रदेश सरकार उदासीन : दुबे

26 को रालोद निकालेगा मार्च

लखनऊ,(यूएनएस)। रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने प्रदेश सरकार पर किसानों के प्रति उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश में पेराई सत्र शुरू हुए 2 माह हो गया है लेकिन सरकार में रबी की बुवाई करता है जब मिले जल्दी चलती हैं तो वह खेत खाली कर गेहूं, आलू, सरसों की बुवाई कर देता है। इस वर्ष जानबूझकर मिलों को देरी से चलाया जिसके कारण किसानों की रबी की बुवाई समय पर करने के सब्जबाग दिखाती है लेकिन उसकी नीति और नियत किसानों पर कहर बरपाने की है। किसान आन्दोलन के दौरान केन्द्र सरकार ने अनेक वादे किये थे जिसमें एमएसपी पर कानून बनाकर

ने गन्ने का लाभकारी मूल्य घोषित नही किया, जिससे किसानों में आक्रोश है। राष्ट्रीय लोकदल और किसान संगठन मूल्य बढ़ाने की मांग कर रहें है किन्तु सरकार मौन साधे हुए हैं। सरकार का ध्यान किसानों की तरफ दिलाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल के सभी विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता 26 दिसम्बर को लखनऊ में जीपीओ पार्क स्थित गांधी प्रतिमा तक मार्च करेंगे और सरकार की सद्बुद्धि की प्रार्थना करेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने चुनाव में वादा किया था कि गन्ना किसानों का भुगतान 14 दिन के अन्दर मिलों द्वारा नहीं किया गया तो उन्हें ब्याज सहित भुगतान करना पडेगा परन्तु आज तक न तो कोई कानून इस पर बना और न ही मिल मालिकों पर किसी प्रकार का दबाव बनाकर इसे लागू किया गया। गन्ना किसान गन्ना मिलों पर गन्ना गिराकर अपने खेतों नहीं हो पाई जिसके कारण किसान परेशान है। सरकार किसानों की बात सिर्फ चुनाव के समय में करती है उनका वोट लेती है और बाद में मिल मालिकों के साथ मिलकर किसानों का शोषण करने लगती है। आज भी किसानों का गन्ना मिलों पर लगभग पिछले वर्ष का ही भुगतान 800 करोड़ से ज्यादा है जिससे किसान बेहद परेशान है। वर्तमान पेराई सत्र देर से चलने और समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं हो पाने के कारण किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। यूपी में गन्ना, आलू प्रमुख रूप से व्यापारिक फसल है किन्तु गन्ना और आलू पर सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं होने के कारण गन्ना और आलू के किसान परे षानी और बदहाली के शिकार है उनको फसल का लागत मूल्य भी नहीं मिल पाता है।प्रदेश सरकार किसानों को आत्मनिर्भर और आमदनी दोगुना किसान की उपज का लाभकारी मूल्य का मार्ग प्रशस्त करना, आन्दोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लिये जाने, आन्दोलन के दौरान शहीद किसानों के परिजनों को मुआवजा देना, स्वामीनाथन कमेटी को पूर्णतया लागू करने की बात कही गयी थी जो सभी वादे आज तक पूरे नहीं किये।गन्ना किसानों को गन्ना उत्पादन में लागत पिछले 4 वर्षो में डेढ गुना बढ गयी है किन्तु केन्द्र सरकार गन्ना मूल्य में मात्र 10 रुपये की वृद्धि की है जो ऊँट के मुँह में जीरा समान है। प्रदेश सरकार से उम्मीद थी कि वह यूपी के गन्ना किसानों को अन्य राज्य की तरह गन्ना मूल्य 400 रुपये प्रति कुंतल से अधिक करेगी किन्तु प्रदेश सरकार मूकदर्शक की भूमिका में है और मिल मालिक की मर्जी पर किसान को छोड दिया है जो गंभीर चिंता का विषय है।

मानव धर्म युक्त आचरण करे तो वही धर्म उसकी सुरक्षा करेगा.. आचार्य सुधीर

लखनऊ। श्री शिव श्याम मंदिर समिति की ओर से हाता राम दास सदर कैण्ट में चल रही भागवत कथा के सातवें दिन रविवार को नैमिषारण्य धाम के आचार्य सुधीर कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण मानव मात्र के लिए संदेश देना चाहते हैं कि धर्म युक्त आचरण करें और जब मानव धर्म युक्त आचरण करेगा तो वही धर्म उसकी सुरक्षा प्रदान करेगा, वही धर्म उसकी शक्ति प्रदान करेगा। वही धर्म उसको आध यात्मिकता की तरफ ले जाकर के इस संसार सागर से मुक्त करने की शक्ति प्रदान करेगा।उन्होंने कहा कि हमें जीवन जीना चाहिए और भगवान के मित्र सुदामा जी हैं ऐसी मित्रता सुदामा अपनापन है भगवान नारायण लक्ष्मीपति हैं लेकिन जब सुदामा जी आए तो अपने आसन पर सुदामा जी को बिठाकर के उनके चरण प्रक्षालन किया हैं अर्थात ब्राह्मणों के सत्कार के लिए भगवन श्री कृष्ण ने जो आचरण किया उससे स्पष्ट होता है कि ब्राह्मण से भी है प्रभु उसके पश्चात कथा विश्राम हुई आचार्य जी का माल्यार्पण किया गया। समस्त यजमान एवं समस्त जनता ने महाराज जी का सम्मान किया आयोजन राजेंद्र पांडे गुरु जी ने व्यासपीठ पर पूजन करके और 25 दिसंबर तारीख को हवन और भंडारे में सबको आमंत्रित किया।

00000के साथ नाइंसाफी हुई है तो लोग सड़कों पर आ जाते हैं, कानून पर भरोसा रखना चाहिए।जिन्होंने सदियो तक राज किया वो आज पीछे है। फ्रांस तक पीछे है। हम वर्ल्ड की तीसरी बड़ी शक्ति बनेंगे। 2047 में कैसे भारत की कल्पना करते हैं। ग्रीन हाइड्रोजन से सारी दुनिया का मकेनिजिम बदल जाएगा। 6जी से दुनिया बदल जाएगी। 2009 में भारत सरकार ने एक विदेशी संस्था को 5 मिलियन यूं ही दे दिया। हमारे यहां की संस्थाओं को मजबूत बानी चाहिए। नई पार्लियामेंट को विजिट करने का मैं इन छात्रों को न्योता देता ह। देश की समस्या छोड़िए पूरी दुनिया में अगर कोई समस्या होती है लॉ एंड ऑर्डर की तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को याद किया जाता है। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में में 7,914 छात्रों को विद्या वाचस्पति, स्नातकोत्तर एवं स्नातक की डिग्री दी गई। 7,914 उपाधियों में से 282 को डॉक्टरेट उपाधियां दी गई हैं।

संयुक्त युवा मोर्चा ने एजेंडा यूपी का समर्थन किया

हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी की हो गारंटी

लखनऊ। हाल में आंदोलनकारी समूहों व संगठनों द्वारा लखनऊ में बैठक करके प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर बनाए गए एजेंडा यू.पी. का संयुक्त युवा मोर्चा ने समर्थन किया है। एजेंडा यू.पी. में भूमिहीन, गरीब, दलित, आदिवासी, अति पिछड़े परिवारों को आवासीय भूमि एवं उनके जीवन निर्वाह के लिए एक एकड़ जमीन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य कानून, नागरिकों को सम्मानजनक रोजगार व शिक्षा —स्वास्थ्य की गारंटी, कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली, नागरिक अधिकारों की रक्षा व संरक्षण जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रेस को जारी बयान में संयुक्त युवा मोर्चा केंद्रीय टीम सदस्य व युवा मंच के संयोजक राजेश सचान ने बताया कि प्रदेश में हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, सरकारी विभागों में रिक्त पड़े 6 लाख से ज्यादा पदों को अविलंब भरने जैसे सवालों को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में एजेंडा यू. पी. के मुद्दों का भी पुरजोर समर्थन करने का फैसला संयुक्त युवा मोर्चा ने लिया है।

हरिश्चन्द्र वंशीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदर्शनी एवं विवाह योग्य युवक युवतियों का स्वपरिचय सम्मेलन 27 दिसम्बर से

लखनऊ, (यूएनएस)। हरिश्चन्द्र वंशीय समाज का दो दिवसीय हरिश्चन्द्र वंशीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन आगामी 27 व 28 दिसम्बर को इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में आयोजित किया जा रहा है। इसमें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर देश—विदेश से आए विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। इसके साथ ही लखनऊ की भावी योजना मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल, श्रीनाथ जी का मंदिर, अन्नपूर्णा भोजनालय आदि स्थापित करने पर विमर्श किया जायेगा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी लखनऊ हरिश्चन्द्र वंशीय समाज के अध्यक्ष राजन रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी और कौशल विकास समिति के अध्यक्ष सुधांशु रस्तोगी ने संयुक्त रूप से रविवार को राजभवन के सामने मोती महल डीलक्स होटल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि हरिश्चन्द्र वंशीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन 27 दिसम्बर को मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी दीप जलाकर करेंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय हरिश्चन्द्र वंशीय महासभा के पूर्व अध्यक्ष फकीर चंद्र रुस्तगी करेंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता डा. अनिल रस्तोगी द्वारा शुभारम्भ किया जाएगा। कार्यक्रम के मध्य में दिल्ली अपोलो हास्पिटल के विशेषज्ञ डा. हर्ष रस्तोगी, उद्योगपति इंद्र मोहन रस्तोगी, पूर्व सीएमओ डा. विनोद रस्तोगी, उद्योगपति प्रेम किशोर रस्तोगी और ज्ञानव्यापी प्रकरण के अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी आदि कई प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया जाएगा।दो दिवसीय सम्मेलन में देश—विदेश से तीनों घटकों के स्वजन बड़ी संख्या में भाग लेंगे। अपने अपने विषय के पारंगत पैनल डिस्कशन द्वारा स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, र्स्टाटअप एमएसएमई, व्यापार ध्उद्योग, शिक्षा, लीगल आदि विषय पर सामान्य जनोपयोगी जानकारी उपलब्ध की जायेगी। इसके अतिरिक्त अनुभवी दक्ष वक्ताओं के द्वारा निम्न विषयों पर समाज उत्थान हेतु चर्चा की जायेगी। जिनमें मुख्य रूप से रस्तोगी, रूस्तगी, रोहतगी तीनों घटकों में एकजुटता लाकर समाज उत्थान हेतु कार्य योजना, युवा वर्ग का समाज की गतिविधियों में रूचि उत्पन्न करना और उन्हें गतिविधियों से जोड़ने हेतु प्रेरित करना, महिला समाज के सशक्तिकरण व उत्थान में उनका योगदान बढ़ाने के उपाय व सुझाव पर चर्चा, विवाह व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में फिजूलखर्ची रोकने व उत्पन्न हुई अन्य विसंगतियों को रोकने व कम करने के सुझाव। पढ़ लिखकर युवा, युवतियों का नौकरी सेवा क्षेत्र में रूझान (एम्पलायी बनना, एम्पलायर न बनना) है। इसके अलावा अयोध्या में हरिश्चन्द्र धाम बनाने हेतु योजना के साथ लखनऊ की भावी योजना मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल, वृद्धाश्रम, श्रीनाथ जी का मंदिर, भोजनालय व हरिश्चन्द्र जी का जीवन वृतान्त झोकियों द्वारा स्थापित करना व खुला मंच देश के कोने कोने में धर्मशाला, स्कूल व अन्य प्रशिक्षण केन्द्र का रख रखाव व अन्य सुझाव पर चर्चा की जायेगी।

नकवी पार्क में है उत्तर भारत का सबसे पुराना चर्च

विशप विल्सन ने 1835 में कराया था क्राइस्ट चर्च का निर्माण, फ्रांस के कारीगरों ने की थी नक्काशी

अलीगढ़, (यूएनएस)। उत्तर भारत का सबसे पुराना चर्च अलीगढ़ में है। अलीगढ़ के नकवी पार्क में बने इस चर्च का निर्माण 188 साल पहले विशप विल्सन ने कराया था। 1835 ईसवी में बना यह क्राइस्ट चर्च भारत की गुलामी की दास्तां से लेकर विकसित होते स्मार्ट अलीगढ़ के पूरे सफर का गवाह है। जिसने बदलते हुए अलीगढ़ की यादों को अपने अंदर छिपा रखा है। चर्चों के जनक कहे जाने वाले इंग्लैंड के विशप विल्सन ने 1825 से लेकर 1845 तक लाहौर से लेकर कोलकाता तक कुल 20 गिरिजाघरों का निर्माण कराया था। जिसमें अलीगढ़ के नकवी पार्क में स्थित क्राइस्ट चर्च भी शामिल है। इसके साथ इसी समय काल में दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित सेंट जेम्स चर्च और आगरा के सेंट जार्ज क्राइस्ट चर्च का निर्माण भी कराया गया था। अलीगढ़ की क्राइस्ट चर्च के निर्माण के लिए विदेश से कारीगरों को बुलाया गया था। फ्रांस और इटली से आए कारीगरों ने इसमें नक्काशी की थी। चर्च के अंदर रंग बिरंगे शीशों में नक्काशी की गई है और यह शीशे इंग्लैंड से मंगाए गए थे। पीछे से यह शीशे खुले हुए हैं और जब इसमें सूर्य की किरण पड़ती है तो इसमें प्रभु यीशु के साथ उनकी मां मरियम, उनके तीन परम शिष्यों की तस्वीर नजर आती है। शीशे पर उभरने वाली यह छवियां यहां आने वाले श्रद्धालुओं का आकर्षित करती है। निर्माण के लगभग 188 साल बाद भी इन शीशों की भव्यता वैसी ही है, जैसी इसके निर्माण के समय थी। चर्च का पुलपिट (जहां खड़े होकर पादरी लोगों को प्रभु यीशु का संदेश देते हैं) ईगल की शेप में तांबे से बना हुआ है। पुलपिट चर्च की भव्यता को और भी बढ़ा देता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण विशेष तौर पर लोग इसे देखने के लिए आते हैं। अलीगढ़ शहर में कुल 8 चर्च हैं। इन सभी में क्राइस्ट चर्च ही एक मात्र चर्च है, जहां पर इंग्लैंड के पादरी रहते थे। यहां रहकर वह लोगों को प्रभु यीशु का संदेश सुनाया करते थे। जब भारत को 1947 में आजादी मिल गई, इसके बाद भी इंग्लैंड के पादरी यहां रहे। भारत के आजाद होने के 13 साल (वर्ष 1960) तक वह यहां रहे। इसके बाद वह यहां से इंग्लैंड वापस लौट गए।

1835 में जब इस चर्च का निर्माण कराया गया, उस समय यह क्षेत्र मराठा साम्राज्य के अधीन था। यहां पर अंग्रेजी फौज व मराठा सैनिक प्रार्थना किया करते थे, इसके साथ ही यहां पर एक डिस्पेंसरी भी थी। जहां युद्ध में घायल हुए और बीमार सैनिकों का इलाज किया जाता था। चर्च

के आसपास सुंदर बगीचा भी था, जो इस क्षेत्र को और ज्यादा रमणीय बनाता है। आज यह चर्च नकवी पार्क के अंदर स्थित है। पार्क की हरियाली के बीच स्थित यह चर्च अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। मदर टेरेसा 1982 में अलीगढ़ आई थी। इस दौरान वह जमालपुर के एक अनाथालय में रुकी थी। चर्च के पादरी को जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने मदर टेरेसा को यहां आने का न्यौता भेजा था। चर्च के इतिहास को सुनकर और पादरी के न्यौते को स्वीकार करते हुए मदर टेरेसा यहां आई थी। जिसके बाद उन्होंने चर्च की जमकर तारीफ की थी। अनाथालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने चर्च को सकुशल बनाए रखने की दुआ भी की थी। अलीगढ़ शहर में 8 चर्च हैं। इसमें दूसरा सबसे पुराना चर्च चर्च ऑफ एसेंशन है, जो क्राइस्ट चर्च से महज 500 मीटर दूर घंटाघर के ठीक सामने स्थित है। जिलाधिकारी आवास के बिल्कुल बगल में स्थापित किया गया यह चर्च भी 155 साल पुराना है। इसका निर्माण 1868 में रेवरेंट एच डब्ल्यू शैकल के जरिए कराया गया था। एक नीलामी में उन्होंने 6200 रुपए में 57 हजार स्कवायर यार्ड का भूखंड खरीदा था, जिसमें चर्च का निर्माण कराया गया था। इस परिसर के अंदर चर्च के साथ ही पूरी कालोनी बसी हुई है, जिसमें इसाई समाज के लोग रहते हैं। अलीगढ़ के जीटी रोड स्थित बन्नादेवी क्षेत्र की सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च भी लोगों को खूब आकर्षित करती है। इस चर्च का इतिहास भी लगभग 142 साल पुराना है और यहां क्रिसमस के दिन बड़ी संख्या में इसाई समाज के लोगों की भीड़ प्रभु यीशु की अराधना करने के लिए उमड़ती है। यहां पर होने वाली सजावट विशेष तौर से लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

निर्माणाधीन मंगल मंदिर की छत गिरी,एक महिला समेत तीन घायल

अयोध्या,(यूएनएस)। अयोध्या में निर्माणाधीन मंगल भवन मंदिर की छत गिरने से तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें एक युवती एक महिला और एक व्यक्ति शामिल है। जिन्हें इलाज के लिए श्रीराम चिकित्सालय में भर्ती किया गया है। पुलिस ने घटना के बाद मंदिर परिसर से मजदूरों को खाली कराया है। थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र के रामकोट मोहल्ले में स्थित मंगल भवन मंदिर के ऊपरी तल के एक कमरे की छत गिर गई। हादसे में काम कर रहे तीन मजदूर घायल हो गए। शिव कुमारी (18) दानवती (30) और राजन सिंह (45) को छत के नीचे दबने से चोटिल हो गए। इसमें राजन सिंह की हालत गंभीर है। उनके पैर में गंभीर चोटें आयीं है। तीनों मजदूर मध्य प्रदेश के रहने वाले है। कटरा चौकी प्रभारी संदीप कुमार के मुताबिक तीनों का इलाज चल रहा है। मंदिर में पर्यटन विभाग की ओर से निर्माण कार्य चल रहा है। सभी मजदूर ठेके पर यहां काम कर रहे है। मंदिर का कुछ हिस्सा जर्जर हो चुका है। जिसके चलते यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद सभी मजदूरों को मंदिर से खाली कराकर दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया गया है।

शांति का संदेश देते थे इसाअले सलाम : आफाक

लखनऊ, (यूएनएस)। राष्ट्रीय समाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद अफाक ने जारी अपने बयान मे कहा। अभी कल ही 25 दिसम्बर का जश्न ही ईसाइयो द्वारा मनाया जाता है। आगे आफाक ने कहा मे देश वासियो से खास तौर से मुसलिम समुदाय से अपिल करते हुए कहा। के आज पुरी दुनिया के मुसलमान में इस बात से इंकार नही किया जाता क्योकि इसा हमारे पैगम्बर है इसाअले सलाम जब दुनिया मे आये तो दुनिया वालो ने माँ मरियम पे तमाम किस्म के लालछन माँ बेटो के बारे मे कहें मगर इसाइले सलाम अपनी कार्यशैली को आगे बढाते रहे। और उन्हे एक यहुदी कौम से भी ताकत के साथ सामना करना पड़ा यही यहुदी माँ मरियम और उनके बेटे इसा के बारे मे अप शब्द बोलते थे। और उनको बहोत बड़ी आजमाइश से उस वक्त गुजरना पड़ा जब वो सच्चाई के बारे मे लोगो को एक्कठता कर रहे थे जुल्म के खिलाफ बोल रहे थे। तो उनको दुशमनो ने जुल्म करके सुली पे चढ़ाने का परयास किया मैने एसा बड़ो से सुना है। के इसाअले सलाम जब जालिम जुल्म कर रहा था तो उन्हीने ये दुआ कि थी के काश मे। सरकारे दो आलम मुसतफा कि उम्मत मे से होता ये बात सुनते ही अल्लाह ताल्हा ने उनको आसमान की और जिन्दा उठा लिया जो कयामत तक जिदा रहिगें और मुसलमानो का यकिन हे जब जुल्म जासति का बोल बाला होगा इंसानियत का कत्ल आम होगा। तो मेहिदी अलेसलाम मुलके शाम से आइगें और इसा अले सलाम अरब के रासते दाखिल होगे और दज्जाल का खातमा भी उसके जुल्म के खिलाफ करेगे। अंत मे मोहम्मद आफाक ने कहा मेरा यकिन है सुली लटके हुए जब इसा नही है तो उनको किस बात की नौजवान लड़किया और लड़के किस बात कि श्रधानजली देते है कैनडिल जला के जबके सुलि लटका हुआ इसा पे जुल्म करने वाला बताया जाता है। ऐसे लोगो को किसी भी किस्म की भीड़ लगा के उनके मे शामिल होना ये इसलाम कि तारिख नही हे इस्से हम सबको बचना चाहिए अभी आने वाले दिनो मे नए साल का भी जश्न मानाया जाता हैं जबके वो नया साल ना हिन्दुसतानियो का नही है और नाहि मुसलमानो का हमारे हिदुस्तानियो का नया साल बसंत का महिना फरवरी से शुरू होता हे क्योके हमारे भारत मे हर चिज कि खाने की शुरवात बसंत पंचमी से होती है। इसपे भी भारत के लोग रौशनी ड़ाले।

सादी वर्दी में पुलिस करेगी शहर की निगरानी, क्रिसमस से पहले प्रशासन हुआ एलर्ट

अलीगढ़, (यूएनएस)। क्रिसमस और नए साल के त्योहार को देखते हुए अलीगढ़ में प्रशासन अलर्ट हो गया है। नए साल से पहले किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसके लिए जगह–जगह फोर्स तैनात रहेगी और सादी वर्दी में भी अधिकारी शहर का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान अगर कोई अराजक तत्व नजर आया तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने सभी सीओ और थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने क्षेत्र में लगातार निरीक्षण करें और कहीं पर भी भीड़ एकत्रित न होने दें। अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है तो तत्काल उसकी तलाशी ली जाए और गड़बड़ी मिलने पर मुकदमा दर्ज कर उसके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए। नए साल के उत्सव और क्रिसमस के त्योहार को देखते हुए डीएम और एसएसपी खुद लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिं और एसएसपी कलानिधि नैथानी ने खुद शहर के गिरिजाघरों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने चर्च के पदाधि ाकारियों और पादरियों से बातचीत करके उन्हें आश्वासन दिया कि पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ है। इसके साथ ही लोगों से शांति और सौहार्द के साथ त्योहार और नए साल का जश्न मनाने की अपील की। इसके साथ ही पदाधिकारियों से भी अपील की गई है कि अगर उन्हें कोई अराजक तत्व नजर आता है तो इसकी जानकारी तुरंत उन्हें दें। अलीगढ़ जिला प्रदेश के संवेदनशील जिलों में शामिल है। बीते दिनों अलीगढ़ से कई संदिग्ध आतंकियों को सुरक्षा एजेंसियों और एटीएस ने गिरफ्तार किया हैं। ऐसे में पुलिस नए साल में पूरी तरह से एलर्ट है। इसके साथ ही आमजनों से भी अपील की गई है कि वह किसी तरह के बहकावे में न आएं। अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आती है तो इसकी जानकारी तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम और क्षेत्रिय थाना प्रभारी को दे सकते हैं। इसमें लोगों का नाम भी गोपनीय रखा जाएगा और संबंधित के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। शहर और जिले के संवेदनशील और अति संवेदनशील प्वाइंटों पर अतिरिक्त फोर्स भी तैनात की गई है।

हाथियों से फसलों के नुकसान को रोकेगा चिली डंक केक,

खेत के चारों तरफ सुलगाया जाता, केक को सूंघ कर दूर भाग रहे गजराज

बहराइच, (यूएनएस)। जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में बढ़ रहे हाथियों के हमले को रोकने के लिए चिली डंक केक बनाया गया है। इस केक को तैयार

करने के लिए संस्था ग्रामीणों को 10 मशीनें भी देगी, ताकि आसानी से केक तैयार हो सके और फसलों का नुकसान बच सके। कतर्नियाघाट वन्य जीव क्षेत्र में इन दिनों हाथियों का हमला बढ़ने लगा है। हमला बढ़ने का कारण गन्ने की फसल तैयार होना बजी माना जा रहा है। जिसको खाने के लिए जंगली हाथियों का प्रकोप कतर्नियाघाट इलाके में काफी बढ़ गया है, लेकिन इसको रोकने के लिए नेचर इनवायरमेंट एंड वाइल्ड लाइफ सोसाइटी ने एक चिली डंक केक (गोबर और मिर्च से बने कण्डे) तैयार किए हैं।संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक ने बताया कि यह केक तैयार करने के बाद जब खेत के चारों तरफ सुलगाया जाता है, तो इससे धुंए की चादर फैल जाती है, जिसमें हाथी जब प्रवेश करता है तो उसे मिर्ची लगती है वह भाग जाता है। उन्होंने बताया कि चिली डंक केक के निर्माण के लिए संस्था 10 मशीनें भी देगी। जिससे आम्बा, बिशनापुर, भवानीपुर, बर्दिया, मटेही, फकीरपुरी, रमपुरवा, आजमपुरवा, लोहरा, रमपुरवा मटेही गांवों में बनी गज मित्र कमेटी के पास यह मशीन रहेगी, जिससे वह खुद भी कण्डों का निर्माण करेंगे और ग्रामीणों को भी इसका निर्माण सिखाएंगे।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में जंगली हाथियों की बढ़ती चहलकदमी के कारण संस्था नए गज मित्रों की भर्ती करने के लिए ग्रामीणों का प्रशिक्षण भी कर रही है। अभी कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में 50 गज मित्र तैनात है, लेकिन नए प्रशिक्षण और विभागीय जाँच के बाद इनकी संख्या 100 से भी अधिक हो जायेगी। इस समय कतर्नियाघाट में ग्रामीणों का प्रशिक्षण चल रहा है।अभिषेक ने बताया कि गज मित्रों की तैनाती के बाद से हाथियों द्वारा फसलों के नुकसान में 60 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है, इसीलिए इसका दायरा बढ़ाया जा रहा है और चिली डंक केक के प्रयोग से और अच्छे परिणाम आने की सम्भावना है। वैसे छुट्टा पशुओं से फसल को बचाने के मामले में अभी चिली डंक केक का इस्तेमाल नहीं किया गया है लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि जब जंगली हाथी जैसा भारी भरकम जानवर उस खेत को नुकसान नहीं पहुंचा पाता है तो बाकी जानवरो से फसलों को आसानी से बचाया जाना और आसान है। यह अभ्यास अगर आम नागरिक अपना ले तो शायद छुट्टा जानवरों की समस्या से भी निजात मिल सकती है।

साहिबजादों एवं उनकी माता गुजर कौर जी के शहीदी दिवस पर सजा दीवान

लखनऊ,(यूएनएस)। आज माता गुजरी सत्संग सभा की ओर से सरबंसदानी साहिब श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के चारो साहिबजादों एवं उनकी माता,माता गुजर कौर जी के शहीदी दिवस पर ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी नाका हिन्डोला लखनऊ में दीवान सजा।इस अवसर पर सायं श्री रहिरास साहिब के पाठ से दीवान का आरम्भ हुआ तत्पश्चात हजूरी रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने शबद सूरा सो पहचानिअै लरै दीन के हेत। पुरजा–पुरजा कट मरे कबहु न छाडै खेत।। गायन एवं समूह संगत को नाम सिमरन करवाया। रागी जत्था बीबी जसप्रीत कौर जी लुधियाना वालों ने पहिला मरणु कबूलि जीवन को छड़ि आस। होहु समना की रेणुका तउ आउ हमारे पासि।। शबद कीर्तन गायन कर साध संगत को निहाल किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए स. सतपाल सिंह मीत ने बताया किशहीदी दिवस का मुख्य कार्यक्रम 24 दिसंबर 2023 को होगा जिसमें पंथ के प्रसिद्ध रागी भाई इंदरजीत सिंह जी सादिक अमृतसर वाले, प्रचारक ज्ञानी सुच्चा सिंह जी पटियाला वाले बीबी जसप्रीत कौर जी लुधियाना वाले से विशेष रूप से पधार रहे हैं। समागम में संगतों के लिए लंगर की तैयारियां आज से ही प्रारंभ हो गई और स्त्री सत्संग सभा की महिलाओं ने सब्जी काटने और रोटी बनाने की सेवा आज से ही आरंभ कर दी गई है कल के मुख्य कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।दीवान की समाप्ति के उपरान्त लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने चारो साहिब जादों एवं माता गुजर कौर की शहादत को एक बड़ी शहादत कहा और अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। अरदास के उपरान्त गुरू का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

मस्जिद के बाहर दीवार पर लिखा-जय श्रीराम,

पुलिस ने चूना पुतवायाय रात में जुटे लोगों ने किया हंगामा

अलीगढ़, (यूएनएस)। जनपद में अराजक लोगों ने एक बार फिर माहौल खराब करने की कोशिश की। आरोपियों ने शनिवार रात मस्जिद की दीवार पर जय श्रीराम लिख दिया। जब लोगों ने दीवार पर धार्मिक नारा लिखा देखा तो हंगामा शुरू कर दिया। जैसे ही पुलिस को घटना की जानकारी हुई तो अधिकारियों के हाथ–पांव फूल गए।

सीओ प्रथम अभय कुमार पांडेय और देहलीगेट थाने की फोर्स मौके पर पहुंच गई और लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल धार्मिक नारे को चूना पुतवाकर साफ कराया, जिसके बाद लोग शांत हुए। पुलिस ने दोनों पक्षों को बैठाकर समझौता कराया। आश्वासन दिया कि दुबारा ऐसा नहीं होगा। हालांकि घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। देहलीगेट चौराहे पर स्थित मस्जिद के बाहर दुकानें बनी हैं। यहां पर लोग परचून और अन्य सामान की दुकानें चलाते हैं। आरोपियों ने इन्हीं दुकानों के ऊपर खड़े होकर धार्मिक नारे लिख दिए। मुस्लिम पक्ष को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। इसी दौरान वहां पर कुछ भाजपाई भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों में बहस और हंगामा शुरू हो गया। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। लोगों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दे दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों और पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। तत्काल दीवार से धार्मिक नारे को साफ कराया। अलीगढ़ का देहलीगेट चौराहा अति संवेदनशील इलाकों में शामिल है। मिश्रित आबादी वाले इस क्षेत्र में अक्सर दो समुदाय के लोग आमने सामने आ जाते हैं, जिसके चलते पुलिस यहां पर हमेशा अलर्ट रहती है। घटना के बाद पुलिस ने यहां पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और मौके पर भारी संख्या में फोर्स तैनात कर दी गई है। वहीं पुलिस ने इलाके की शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक की है। उनसे शांति की अपील की है। जिससे कि त्योहार और नए साल के दौरान जिले का माहौल शांत रहे। पुलिस ने लोगों को बताया कि किसी तरह के बहकावे में न आएं और अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें। जिससे कि आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई हो सके। सीओ प्रथम अभय कुमार पांडेय ने बताया कि दीवार पर किसी मजदूर ने धार्मिक नारा लिख दिया था। इसके बाद दो पक्ष आमने–सामने आ गए थे। दोनों पक्षों की आपसी बात से मामला शांत करा दिया गया है। आपसी सहमति बनने के बाद मामला शांत हो गया है और मौके पर शांति है।

तमिलनाडु से ही हुआ था सनातनियों पर प्रहार

विश्वनाथ मंदिर के अर्चक बोले, सनातन का मतलब है सत्य बोलो, अप्रिय सत्य नहीं

वाराणसी,(यूएनएस)। काशी–तमिल संगमम–2 के तीसरे एकेडमिक सत्र में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक श्रीकांत शर्मा ने तमिलनाडु सीएम स्टालिन के सनातन धर्म खत्म करने वाले बयान का जवाब दिया। वाराणसी के नमो घाट पर तमिलनाडु से आए 200 से ज्यादा स्प्रिचुअल डेलीगेट्स के सामने मंच पर कहा कि आपके राज्य तमिलनाडु से सनातन धर्म पर एक प्रहार किया गया था, जो पूरे देश का काफी चर्चित विषय बना। आज उसका जवाब मैं देता हूं। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि उस बात का जवाब यही हो सकता है ष्सत्यम् ब्रूयात, प्रियम् ब्रूयात, ब्रूयान्नब्रूयात् सत्यंप्रियम्। प्रियं च नानृतम् ब्रुयादेषः धर्मः सनातनःश्श यानी कि सनातन धर्म यही है कि सत्य बोलो, प्रिय बोलो, लेकिन अप्रिय सत्य न बोलो। इसमें कहां से कोई विशेष संप्रदाय की बात आ जाती है। सत्य क्या है, वेद है, जो अपौरूषेय हो। भारतीयता तभी आ सकती है, जब वेद की रक्षा हो। धर्म की रक्षा और उस पर कोई कुठाराघात न हो।नमो घाट पर तमिलनाडु से आए आध्यात्मिक जत्थे के दल ने इस एकेडमिक सत्र के दौरान वक्ताओं से कई सवाल–जवाब भी किए। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि आज गंगा के तट पर जुटे तमिल डेलीगेट्स भारत के मंदिरों और आध यात्मिकता पर चर्चा कर रहे हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि काशी की पुरातनता को बिगाड़े बिना नए कलेवर में कैसे इसे सजाया, संवारा, निखारा जा सकता है, उसका यह काशी–तमिल संगमम दैदीप्यमान उदाहरण है। खुशी की बात है कि तमिलनाडु से लोग आकर के एक वृहद काशी को देख रहे हैं। सत्य, धर्म, देवालयों, सनातन, मंदिरों को आधुनिकता और विकास से जोड़ने पर काफी चर्चा हुई। सत्य और ध र्म की व्याख्या की गई।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के एकमात्र तमिल ट्रस्टी डॉ. वेंकटरामन घन पाठी ने तमिलनाडु से काशी आए डेलीगेट्रस को देवालयों और संस्कृ तियों के बारे में बताया। वेंकटरामन ने कहा कि दक्षिण में काशी के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास है। हर सनातनी जो भारत में रहता है उसको एक बार काशी अवश्य आना है। बाबा विश्वनाथ, काल भैरव और माता विशालाक्षी मंदिर में दर्शन करना होगा। तमिलनाडु से आए हुए अतिथियों ने कहा कि स्वागत और लजीज व्यंजन के साथ ही वैचारिक सत्र भी काफी शानदार रहा। दक्षिण भारत का हर खाद्य पदार्थ और रसम आदि मिल रहा है। काशी का अन्न और अभिनंदन काफी खास है।

महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकारों के हनन के खिलाफ एलकेडी की पदयात्रा

पांच दिवसीय वैचारिक क्रांति यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

लखनऊ,(यूएनएस)। महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकारों की सुरक्षा एवं क्षेत्रीय जनसमस्याओं को लेकर तहसील मलिहाबाद से शुरू हुई पांच दिवसीय वैचारिक क्रांति यात्रा आज रविवार को नवाबगंज बाराबंकी पहुंची। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को संबोधि ात एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी नवाबगंज के माध्यम से भेजा गया। लोक कृष्णायनी देशम की राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती इला सिंह के नेतृत्व में 20 दिसम्बर को शुरू हुई इस पदयात्रा में भारतीय मजदूर किसान यूनियन, भारतीय किसान यूनियन (कमेरा), अखण्ड भारतीय किसान यूनियन ने भी सहयोग किया। यात्रा में शामिल सदस्यों का रास्ते में जगह–जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान लगभग हर रोज कम से कम तीन जनसभाएं की गयीं, जिनमें उपस्थित लोगों को बताया गया कि उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी इसलिए सुनिश्चित की गयी थी कि निर्णय की प्रक्रिया में उनकी भी भूमिका हो, लेकिन धरातल पर स्थिति उल्टी है। प्रायः संज्ञान में आता है कि महिला जनप्रतिनिधियों के अधि ाकारों का उपयोग रक्त संबंधी या वे लोग करते हैं जिन्होंने अपने समर्थन से महिला जनप्रतिनिधि ायों को विजयी बनाया है। प्रध ाानमंत्री को संबोधित ज्ञापन में भी यही बिन्दु उठाया गया है और उनसे ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गयी है, जिससे महिला जनप्रतिनिधियों के अधि ाकारों का दुरुपयोग रोका जा सके। नवाबगंज में ज्ञापन सौंपने वालों में भारतीय मजदूर किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजू पाल, लोक कृष्णायनी देशम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.पी. सिद्धार्थ, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती इला सिंह, विद्यार्थी इकाई के प्रदेश अध यक्ष पवन लोधी, अखण्ड भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध यक्ष उपेन्द्र प्रताप मौर्य एवं साहिल, आदित्य प्रताप सिंह, अनुराग सिंह ,लल्लन वर्मा, रामदुलार यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

सरकार खुद पहुंच रही गांव व गरीब के पास

1541ग्राम पंचायतों में किया गया ग्राम चौपालो का आयोजन

लखनऊ, (यूएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल यानि गांव की समस्या गांव में समाधान का आयोजन किया जा रहा है। इन ग्राम चौपालों के बहुत सार्थक परिणाम निखर कर सामने आ रहे हैं। बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओंध के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1541ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 5011प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 4401 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 8606ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और चौपालो में 01लाख 34 हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की।ग्राम्य विकास आयुक्त ने बताया कि 6जनवरी 23 से अब तक 67865 ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है,जिनमें 49लाख से अधि ाक ग्रामीण मौजूद रहे और 3 लाख से अधिक समस्याओं, प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

द्वितीय अधीर दुबे टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट रू खानदान–ए–अवध क्लब प्लेट ग्रुप के फाइनल में

लखनऊ,(यूएनएस)। मैन ऑफ द मैच इस्लाम (61) व आजमी (64) के अर्धशतकों से खानदान–ए–अवध क्लब ने द्वितीय अधीर दुबे टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट में प्लेट ग्रुप के पहले सेमीफाइनल में सीवीसीएल को 20 रन से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर रविवार को खेले गए मुकाबले में खानदान–ए–अवध क्लब ने ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट पर 179 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज आजमी ने 46 गेंदों पर 9 चौके व एक छक्के से 64 रन की तूफानी पारी खेली।

वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज इस्लाम ने 51 गेंदों पर सात चौके व एक छक्के की मदद से 61 रन की जिम्मेदारी भरी पारी खेली। सीवीसीएल से चरणजीत सिंह ने दो विकेट की जबकि एसके पांडे ने एक विकेट की सफलता हासिल की। जवाब में सीवीसीएल की पूरी टीम निर्धारित ओवर में छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी और लक्ष्य से 20 रन दूर रह गई। टीम से सिद्धार्थ भूटानी (45) और डॉ. रोहित भदौरिया (41) ने उम्दा पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। इसके अलावा संजय गिरी ने 26 और संजय गुप्ता ने 18 रन का योगदान दिया। खानदान–ए अवध–क्लब से शाहिद, अभिषेक पांडे, शिशु ओम दीक्षित, साबिर, शाहजेब रिजवी को एक–एक विकेट की सफलता मिली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार खानदान–ए–अवध क्लब के इस्लाम को प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष,

कुश्ती संघ भंग होने पर बोले, खेल मंत्रालय ने सोच–समझकर लिया फैसला, सरकार दबाव में नहीं

बाराबंकी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौध ारी रविवार को बाराबंकी पहुंचे। उन्होंने देवा विकासखंड के सरसौदी में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा जनता के बीच में है। उनका सपना विकसित, आत्मनिर्भर और विश्व का नेतृत्व करने वाला भारत है। इस दौरान खेल मंत्रालय द्वारा नव निर्वाचित कुश्ती संघ को भंग करने के मामले पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार और पार्टी न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास रखती है। सरकार ने किसी के दबाव में यह फैसला नहीं लिया। बल्कि जो विधि संगत होगा। खेल मंत्रालय ने सोच समझकर यह फैसला लिया होगा। खिलाड़ियों के दबाव में खेल मंत्रालय द्वारा नव निर्वाचित कुश्ती संघ को भंग किया गया है। इस सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि सरकार किसी के दबाव में नहीं है। हमारी सरकार और पार्टी न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास रखती है। इस मामले में जो विधि संवत होगा, वही फैसला सरकार ने लिया होगा। राम मंदिर उद्घाटन में अखिलेश

यादव को न्योता देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह फैसला राम जन्मभूमि ट्रस्ट का होगा, लेकिन भगवान श्रीराम का मंदिर देश के 140 करोड़ लोगों का है। वहां जाने को लेकर किसी पर बंदिश नहीं लगाई गई है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा आत्मनिर्भर भारत का संदेश है। जिसमें सभी देशवासियों की आत्मनिर्भरता समाहित है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, जिसके लिए समाज के सभी वर्गों को साथ चलना है। भारतीय जनता पार्टी की सरकारें अपने काम काज का लेखा–जोखा लेकर आपके दरवाजे पर आई है और अब तक विभिन्न योजनाओं से छुटे हुए पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करने का संकल्प लेकर आई है।

अखिलेश यादव बोले-स्वामी प्रसाद मौर्य गलत बोलते हैं

सामान्य वर्ग को साथ लाने की तैयारी में सपा, महाब्राह्मण घर–घर जाकर सपा का प्रचार करेंगे

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ में रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर महाब्राह्मण महापंचायत हुई। इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह सामान्य वर्ग और खासकर ब्राह्मण को सपा से जोड़ने की मुहिम का हिस्सा है। यही वजह है कि कल यानी 23 दिसंबर को सपा कार्यालय पर प्रबुद्ध वर्ग की बैठक भी हुई। इसमें मौजूद सभी पदाधिकारी स्वामी प्रसाद मौर्य की विवादित बयान को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने अखिलेश यादव की मौजूदगी में कहा कि इस बयान से समाजवादी पार्टी को बहुत नुकसान हुआ है और लगातार हो भी रहा है। सपा को 2022 के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ा नुकसान स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान की वजह से हुआ। उन्होंने हिंदू और ब्राह्मण वर्ग को लेकर बोला है। जिससे सभी दुखी हुए और समाजवादी पार्टी से दूर होते गए। अखिलेश यादव ने सभी की बात सुनने के बाद यह माना कि स्वामी प्रसाद मौर्य का बयान गलत है। तमाम लोगों ने इस बात की शिकायत भी की। किसी भी धर्म जाति वर्ग को लेकर टिप्पणी करना गलत है। हम सभी जाति और सभी धर्म का सम्मान करते हैं।आज हुई राष्ट्रीय महापंचायत का आयोजन कार्यरत पार्टी की तरफ से किया गया। इसमें फैसला लिया गया कि महाब्राह्मण जगह–जगह जाकर सपा का प्रचार करेंगे। राष्ट्रीय कार्यरत पार्टी के अध यक्ष टुनटुन पांडेय आज के कार्यक्रम के संयोजक थे।सपा नेता मनोज पांडेय ने बताया कि महाब्राह्मण पंचायत में आज फैसला लिया गया है कि महाब्राह्मण उत्तर प्रदेश के हर जिले में जाकर समाजवादी पार्टी के पक्ष में प्रचार करेंगे। समाजवादी पार्टी महाब्राह्मण के पक्ष में और उनके हित में काम कर रही है। ब्राह्मणों में आधी आबादी महाब्राह्मण की है। ऐसे में महाब्राह्मण वर्ग का यह मानता है की पीडीए की तरह ब्राह्मणों में पिछड़े और शोषित महाब्राह्मण वर्ग की पैरवी समाजवादी पार्टी करेगी। इसके एक दिन पहले यानी 23 दिसंबर को ही सपा पार्टी कार्यालय पर प्रबुद्ध वर्ग की बैठक हुई। इसमें अखिलेश यादव भी शामिल हुए थे। बैठक में स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों का मुद्दा उठा। प्रबुद्ध

वर्ग के लोगों ने इसका विरोध जताया। इस दौरान अखिलेश यादव ने स्वीकार किया कि किसी भी ध र्म–जाति वर्ग पर टीका टिप्पणी करना गलत है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से दिया गया बयान सही नहीं है।

बदला मौसम का मिजाज,घने कोहरे के कारण बढ़ी ठंडी

बांदा,(यूएनएस)। जिले में साल के आखिरी दिनों में कोहरे और ठंडी हवाओं के साथ सर्दी की शुरूआत हुई। 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाओं ने ठंडी को बढ़ा दी है। वहीं सुबह से बादल भी छाए रहे हैं। रविवार को सुबह से ही कोहरे ने सब कुछ ढक लिया। देर तक सूरज नहीं नजर आया।न्यूनतम पारा आठ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री ज्यादा था। दिन में कुछ देर के लिए धूप निकली। अधिकतम तापमान 22 डिग्री से आगे नहीं बढ़ा। सड़कों पर कम ही लोग नजर आए और वहीं सुबह से लोग आग तापते हुए नजर आए हैं। घने कोहरे के चलते विजिबिलिटी भी कम हुई है। वहीं सुबह से ही कुछ मीटर आगे तक का नहीं दिख रहा जिससे लोगों को गाड़ी चलाने में समस्या हो रही है। लोग इस समय फॉग लाइट का प्रयोग कर रहे हैं। कड़ाके की ठंड और कोहरे से आम जनजीवन भी अस्त व्यस्त है। लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े और आग का सहारा ले रहे हैं। जिला कृषि अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार का कहना है कि मौजूदा मौसम से फिलहाल फसलों को खतरा नहीं है। बल्कि नमी मिलेगी। कोहरा लगातार छाया रहा तो पाले का खतरा बढ़ सकता है। किसानों को सलाह दी कि पाला से फसल बचाने के लिए रात में खेत की मेड़ पर धुआं करें।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।